संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 138
पृष्ठ 8
बुधवार
05 फरवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– वसन्त, प्रकृति का उल्लास

विचार– दांव पर केजरीवाल और राहुल...

खेल– अभिषेक के मुरीद हुए मैकुलम

सपा और कांग्रेस सनातन विरोधी, महाकुंभ पर फैला रहे झूठ : योगी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को महाकुंभ में भगदड़ पर की गई टिप्पणी के लिए अखिलेश यादव की आलोचना की और कहा कि सामलवादी पार्टी महाकुंभ पर झूठ फैला रही है। उन्होंने कहा कि सनातन और प्रयागराज की घटना के खिलाफ बोलने के लिए कांग्रेस और सपा ने हाथ मिला लिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सपा और कांग्रेस सतनात विरोधी हैं। कांग्रेस अध्ध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान शर्मनाक है। योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष का यह वक्तव्य हास्यास्पद है। अखिलेश पर पलटवार करते हुए योगी ने कहा ये लोग 12 बजे सोकर उठते हैं, पार्टी

कार्यालय जो उन्हें प्रेस नोट बनाकर देता है, वही पढ़ देते हैं। हमने बार–बार कहा है कि 40–45 करोड़ लोग स्नान यहां करेंगे। उन्होंने कहा कि यह लोग पहले दिन से चाहते थे की महाकुंभ में कोई अनहोनी हो। उन्होंने कहा कि अखिलेश का चरित्र सनातन विरोधी है। महाकुंभ की घटना पर शरारती तत्व झूठ फैला रहे हैं। सीएम ने दावा किया कि शरारती तत्व चाह रहे थे कि घटना और ज्यादा बड़ी हो जाए। खड़गे और अखिलेश पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं में सनातन धर्म के खिलाफ बयान देने की होड़ लगी हुई है की कौन कितनी ज्यादा सनातन धर्म के खिलाफ बयानबाजी करे। उन्होंने कहा कि संसद में इन्होंने जो बयान दिया है यह इनकी सनातन धर्म विरोधी चरित्र को दिखाता है और यह बताता है की यह सनातन धर्म से कितनी नफरत करते हैं। महाकुंभ पर इनकी गिद्ध दृष्टि लगी हुई थी। भगदड़ को लेकर योगी ने कहा कि यह एक दुखद घटना थी। मेला प्रशासन, पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया। यह अपने आप में एक उदाहरण है। उस दिन करोड़ों लोग प्रयागराज में थे। ये दोनों दल और सनातनी विरोधी चाहते थे कि कोई बड़ा हादसा हो जाए। हमारी पहली प्राथमिकता दुर्घटना–मुक्त मेला सुनिश्चित करना था, दुर्भाग्य से यह घटना हुई...हमने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और मौद्रिक मुआवजे की घोषणा की। जानमाल के नुकसान की भरपाई नहीं की जा सकती लेकिन हमने हरसंभव प्रयास किये। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज मुहैया कराया गया। हमने इसके लिए एक न्यायिक आयोग भी बनाया।' लेकिन हमारी प्राथमिकता लोगों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करना थी। पिछले 22 दिनों में 38 करोड़ श्रद्धालु यहां आए हैं। अगले 22–23 दिनों में और भी श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। इन पार्टियों की साजिश सफल नहीं होगी। हम 29 जनवरी को हुई घटना की गहराई तक जाएंगे, साजिशकर्ताओं को बेनकाब करेंगे, पिछले 8 सालों में आपने देखा होगा कि यूपी में उन्हें कैसे सजा मिली है और आने वाले समय में भी आप ये देखेंगे।

शशि थरूर को दिल्ली हाई कोर्ट से राहत, मानहानि का मामला खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को कांग्रेस सांसद शशि थरूर के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला खारिज कर दिया। यह मामला भारतीय जनता पार्टी नेता राजीव चंद्रशेखर द्वारा दायर मानहानि याचिका से संबंधित है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने शशि थरूर को तलब करने से इनकार करते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया शिकायत में मानहानि का कोई तत्व नहीं बताया गया है। राजीव चन्द्रशेखर ने अपनी याचिका में शशि थरूर को कोई भी अपमानजनक बयान देने से रोकने, सार्वजनिक माफी मांगने और कथित तौर पर उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए 10 करोड़ रुपये का हर्जाना देने की मांग की।

किसी भी महामारी से निपटने के लिए भारत पूरी तरह तैयार: नड्डा

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि देश अब किसी भी महामारी से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और विषाणुजनित बीमारियों का त्वरित पता लगाने की भी पूरी व्यवस्था है। श्री नड्डा ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि नेशनल सेंटर फॉर डिजिज कंट्रोल के साथ ही एकीकृत निगरानी व्यवस्था और त्वरित कार्यवाही दल बनाया गया है, जो महामारी की निगरानी करता है और त्वरित पहल करता है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बाद ऐसी व्यवस्था की गयी, जिससे रियल टाइम रिपोर्टिंग होती है और किसी भी तरह की महामारी पर कार्रवाई की जाती है। उन्होंने कहा कि इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) अभी देश में 100 लैब से विभिन्न बीमारियों या महामारी से निपटने के लिए शोध करता है। इसके साथ ही नेशनल वन हेल्थ मिशन भी शुरू किया गया है। इसके अतिरिक्त वॉयरोलॉजी संस्थान है, जो विषाणुजनित बीमारियों पर शोध करता है और जांच करता है। श्री नड्डा ने कहा कि किसी भी महामारी के आउटब्रेक या उसके बारे में पता चलने में बहुत अंतर है। इसको लोग समक्ष नहीं पाते हैं। किसी बीमारी का पता चलना आउटब्रेक नहीं है, बल्कि यह इनसिडेंट है।

मोदी ने बेल्जियम के नए प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर को दी बधाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बार्ट डी वेवर को बेल्जियम के प्रधानमंत्री का पद संभालने पर बधाई दी। श्री मोदी ने भारत–बेल्जियम संबंधों को और मजबूत बनाने तथा वैश्विक मामलों पर आपसी सहयोग बढ़ाने

के लिए मिलकर काम करने का विश्वास व्यक्त किया है । श्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में श्री वेवर को बधाई देते हुए लिखा, "प्रधानमंत्री बार्ट वेवर को पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई। मैं भारत–बेल्जियम संबंधों को और मजबूत करने तथा वैश्विक मामलों पर हमारे सहयोग को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। मैं आपके सफल कार्यकाल की कामना करता हूं।"

चुनाव हार रहे केजरीवाल, जेल जाने की तैयारी करनी चाहिए, आप प्रमुख पर कांग्रेस का तीखा वार

नई दिल्ली, एजेंसी।आम आदमी पार्टी के संयोजक और नई दिल्ली विधानसभा सीट से उम्मीदवार अरविंद केजरीवाल के बयान पर कालकाजी विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अलका लांबा ने पलटवार किया है। अलका लांबा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अरविंद केजरीवाल को जेल जाने की तैयारी करनी चाहिए। वह जेल

गए, अब जमानत पर हैं, वापस जेल जाएंगे। वह (अरविंद केजरीवाल) नई दिल्ली से चुनाव हार रहे हैं। दूसरी ओर आप सांसद संजय सिंह ने दावा किया कि हमारे नई दिल्ली प्रत्याशी अरविंद केजरीवाल की कार पर पथराव कर तोड़फोड़ की गई। कालकाजी में गुंडागर्दी चल रही है। राजिंदर नगर में पैसे और साड़ियां बांटी जा रही हैं। क्या चुनाव आयोग को यह नजर नहीं आता? वे (बीजेपी) हार रहे हैं, इसलिए हताशा में ऐसा कर रहे हैं। हम 60 से ज्यादा सीटें जीत रहे हैं। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित ने कहा कि मुझे विश्वास है कि नतीजे अच्छे होंगे। लोग अपना भविष्य देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि कांग्रेस को लोगों का अच्छा समर्थन मिलेगा। ये दोनों (बीजेपी–आप) आपस में लड़ रहे हैं क्योंकि वे नहीं हैं वोट मिल रहे हैं, कांग्रेस पार्टी शिकायत नहीं कर रही है क्योंकि हम निष्पक्ष रूप से चुनाव लड़ रहे हैं। दिल्ली के मतदाता अभी भी शीला (दीक्षित) जी को याद कर रहे हैं। इससे पहले केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके गुंडों की 'गलत हरकतों' और 'चुनावी गड़बड़ियों' को पकड़ने के लिए झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वाले लोगों के बीच जासूसी कैमरे और 'बॉडी कैमरे' वितरित किए हैं। पांच फरवरी को होने वाले चुनाव के लिए प्रचार के अंतिम दिन जारी एक वीडियो संदेश में केजरीवाल ने कहा कि 'आप' ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रही है और भाजपा अपनी सबसे बुरी हार की ओर बढ़ रही है और इसीलिए वह ''अनुचित हथकंडे'' अपना रही है। 'आप' प्रमुख ने कहा, "हमने झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को जासूसी कैमरे और 'बॉडी' कैमरे बांटे हैं ताकि भाजपा के गुंडों की करतूतों को रिकॉर्ड किया जा सके।

इंदौर के दो बड़े स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, खाली करवाया गया कैंपस

इंदौर, एजेंसी। एक चौंकाने वाली घटना में, दो निजी स्कूलों को मंगलवार को बम की धमकी मिली जिसके बाद छात्रों को स्कूल परिसर से बाहर निकाला गया। रिपोर्ट से पता चलता है कि धमकी ईमेल के जरिए मिली थी। इंदौर में बम की धमकी मिलने के बाद दो स्कूल आईपीएस और एनडीपीएस को बंद कर दिया गया है और स्कूल परिसर को खाली करा लिया गया है। स्कूल को बम की धमकी भरा मेल मिलने के बाद बम निरोधक दस्ते और पुलिस ने इंदौर के न्यू दिगंबर पब्लिक स्कूल में चेकिंग की। डीसीपी जोन 1 विनोद कुमार मीना ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे पुलिस को सूचना मिली कि आईपीएस कॉलेज और न्यू दिगंबर पब्लिक स्कूल को मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। हमने छात्रों को बाहर निकाला और दोनों जगहों (आईपीएस कॉलेज और न्यू दिगंबर पब्लिक स्कूल) में चेकिंग

की। चेकिंग के दौरान हमें कुछ नहीं मिला। एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है। ईमेल की धमकी के बाद दोनों स्कूलों को बंद कर दिया गया है और छात्रों और कर्मचारियों को बाहर निकाल लिया गया है, जबकि बम दस्ते मौके की तलाशी ले रहे हैं। इस घटना से पहले इंदौर के सिमरोल थाना क्षेत्र में स्थित एक आईआईटी संस्थान को एक ईमेल मिला था जिसमें संस्थान को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी. दूसरी धमकी इंदौर एयरपोर्ट को उड़ाने की भी थी।

कांग्रेस नेता के दावे पर राजनाथ सिंह की नसीहत

राहुल गांधी को आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में चीन को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दावे के बाद सिसायी बवाल बढ़ गया है। राहुल गांधी के दावे पर अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पलटवार किया है। राजनाथ ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि राहुल गांधी ने 03 फरवरी 2025 को संसद में अपने भाषण में भारत–चीन सीमा पर स्थिति पर सेना प्रमुख के बयान पर झूठे आरोप लगाए। सेना प्रमुख की टिप्पणी में केवल दोनों पक्षों द्वारा पारंपरिक गश्त में गड़बड़ी का जिक्र था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हालिया विघटन के हिस्से के रूप में इन प्रथाओं को उनके पारंपरिक पैटर्न पर बहाल कर दिया गया है। राजनाथ ने दावा किया कि सरकार ने ये ब्यौरा संसद में साझा किया है। राहुल गांधी ने सेना प्रमुख के लिए जो शब्द कहे, वे शब्द उन्होंने कभी नहीं कहे। यह अत्यंत खेद का विषय है कि राहुल गांधी को राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर गैर–जिम्मेदाराना राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई भारतीय क्षेत्र है जिसमें चीन आ गया है, तो

यह 1962 के युद्ध के परिणामस्वरूप अक्साई चिन में 38,000 वर्ग किमी और 5,180 वर्ग किमी है। 1963 में पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से चीन को सौंप दिया गया। राहुल गांधी हमारे इतिहास के इस चरण के बारे में आत्मनिरीक्षण करने पर विचार कर सकते हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चीन के प्रवक्ता से भी ज्यादा पड़ोसी देश की तारीफ की। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने सदन के अंदर जो बातें की हैं उन्हें सत्यापित करना चाहिए, अन्यथा आसान को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने सदन के भीतर चीन के प्रवक्ता से भी ज्यादा चीन की तारीफ की है। रीजीजू ने दावा किया, भारत की संसद के अंदर उन्हें जिस तरह से चीन का गुणगान किया ऐसा मैंने कभी नहीं सुना था। उन्होंने कहा कि 1959 और 1962 में चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा किया उसके लिए राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए क्योंकि उनके ही परिवार के पंडित नेहरू देश के प्रधानमंत्री थे। रीजीजू ने कहा, "यह भारत की संसद है और इस संसद में हम देश का अपमान नहीं सह सकते।" राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए राहुल गांधी ने कहा कि विनिर्माण का काम चीन की कंपनियों को दे दिया गया है। राहुल गांधी ने मोबाइल फोन दिखाते हुए कहा, ''यह मेड इन इंडिया नहीं, बल्कि 'असेंबल्ड इन इंडिया' है।'' भारत की रक्षा तैयारियों पर चिंताओं को उजागर करते हुए, उन्होंने चेतावनी दी कि संघर्ष की स्थिति में, देश चीनी निर्मित घटकों पर निर्भर रहेगा। राहुल गांधी ने कहा कि चीन भारत के अंदर बैठा है क्योंकि मेक इन इंडिया पहल विफल हो गई है।

उत्तराखंड के बाद अब इस राज्य में यूसीसी लाने की तैयारी

पांच सदस्यीय समिति का हो गया गठन, 45 दिनों में आएगी

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड के बाद अब एक और बीजेपी शासित राज्य में यूसीसी यानी समान नागरिक संहिता लागू करने की तैयारी हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात में समान नागरिक संहिता लागू करने की योजना है। इसके लिए एक समिति की घोषणा मंगलवार को होने की संभावना है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने और कानून बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना देसाई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति गठित की गई है। समिति 45 दिनों में राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, जिसके आधार पर सरकार निर्णय

लेगी। इससे पहले 27 जनवरी को उत्तराखंड सरकार ने समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी के मैनुअल को मंजूरी दी। इसके बाद इसे लागू करने का रास्ता साफ हुआ। उत्तराखंड के 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान बीजेपी के प्रमुख चुनावी वादों में से ये एक था। मुख्यमंत्री आवास में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इसका ऐलान किया। यह कार्यक्रम सीएम आवास के मुख्य सेवक सदन में आयोजित किया गया। सीएम धामी ने कहा कि हमने 3 साल पहले जनता से किए गए वादे को पूरा लिया। यूसीसी किसी धर्म या वर्ग के खिलाफ नहीं है।

स्वप्नलोक सा नजारा, कोई ध्यान में मग्न... कोई योग में

चारों ओर भक्ति और अध्यात्म की अद्भुत छटा

प्रयागराज। वसंत पंचमी पर तीसरे अमृत स्नान के दौरान संगम तीरे सनातन धर्म का विराट स्वरूप नजर आया। सनातन परंपरा के सभी 13 अखाड़ों ने राजसी ठाठ–बाट के साथ अमृत स्नान किया। संगम नगरी महादेव और सियाराम के जयकारों से गूंजती रही।

संगम घाट का दृश्य किसी स्वप्नलोक जैसा दिख रहा था। डुबकी लगाने के लिए भक्तों में उत्साह देखते ही बन रहा था।

संगम घाट पर अमृत स्नान के दौरान श्री पंच निर्वाणी अनी अखाड़ा के संत–साधु करतब दिखाते हुए – फोटो रू संवाद

लोग हाथ जोड़कर प्रार्थना कर रहे थे, हर हर गंगे और ध्यान में मग्न था तो कोई अपने चमत्कारी योगबल का प्रदर्शन कर रहा था।

श्रद्धालु दूर–दूर से आकर इन संतों का आशीर्वाद ले रहे थे। कुछ लोग दौड़कर चरणरज माथे पर लगा रहे थे। केंद्रीय सुरक्षा बलों के

चारों ओर श्रद्धालुओं की अपार भीड़, माइक पर गूंजते मंत्रोच्चार, दूर–दूर तक संत–महात्मा दिख रहे थे। पैदल आ रहे लोगों की भीड़ धीरे–धीरे प्रशासन की व्यवस्था पर आगे बढ़ रही थी। संगम के एक किनारे पर अखाड़ों की भव्य रथ यात्रा और आस्था की अद्भुत लहरें मानो इस पवित्र स्थल को दिव्यता से भर रही थीं।

भोर की किरण के पहले ही श्रद्धालु त्रिवेणी संगम की ओर उमड़ पड़े। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में जय गंगा मैया के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया था। स्नान के बाद लोग पूजा–अर्चना कर रहे थे, पंडितगण भी वैदिक मंत्रोच्चार में लीन थे और चारों ओर भक्ति और अध्यात्म की अद्भुत छटा थी।

अखाड़ों का दृश्य भी देखने योग्य था। नागा संन्यासियों का भव्य जुलूस, गेरुआ वस्त्रधारी संतों की टोली, माथे पर भस्म लगाए साधु–संत अपने–अपने ध्वज थामे शोभायात्रा निकाल रहे थे। कोई जवानों ने श्रद्धालुओं के लिए आने–जाने के लिए व्यवस्था संभाल रखी थी। हर पांच कदम पर जवान खड़ा था, जो लोगों को आगे बढ़ने का इशारा कर रहा था। श्रद्धालु भी केंद्रीय बल के होते सुरक्षा महसूस करते हुए आगे बढ़ रहे थे।

वसंत पंचमी पर तीसरे अमृत स्नान के दौरान संगम तीरे सनातन धर्म का विराट स्वरूप नजर आया। सनातन परंपरा के सभी 13 अखाड़ों ने राजसी ठाठ–बाट के साथ अमृत स्नान किया। संगम नगरी महादेव और सियाराम के जयकारों से गूंजती रही। हजारों की संख्या में नागा संन्यासी त्रिशूल, गदा और तलवार लहराते हुए स्नान के लिए पहुंचे। आखिरी अमृत स्नान के साथ अखाड़ों का प्रयाग प्रवास सोमवार को पूर्ण हो गया।

शैव अखाड़े के संन्यासी अगले चरण में काशी प्रवास के लिए यहां से रवाना होने लगे हैं। वहीं, अनि और उदासीन अखाड़े के संत अन्य धार्मिक संस्कार पूर्ण करके अपने–अपने स्थान को लौटेंगे। अमृत स्नान के लिए सबसे पहले तड़के करीब चार बजे छावनी से श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा और श्री शंभू पंचायती अटल अखाड़ा निकले। विधि–विधान से छावनी में ईष्ट देव की पूजा–अर्चना की गई।

इसके बाद हजारों नागा संन्यासियों ने शस्त्र प्रदर्शन किया। अखाड़े के दिव्य भाल सूर्य प्रकाश और भैरव प्रकाश को नागा संन्यासियों ने कंधों पर थामा। उनके पीछे ईष्ट देव भगवान कपिल की पालकी चली। आचार्य महामंडलेश्वर के पीछे नागा संन्यासी तलवार, गदा और त्रिशूल लहराते हुए बढ़े। दर्जनों महामंडलेश्वर भी शिष्यों के संग रथों पर सवार होकर निकले। अस्त्र–शस्त्र के साथ दौड़ लगाते नागाओं ने संगम में डुबकी लगाई। संगम घाट पर ही नागा संन्यासियों ने अजब–गजब करतब दिखाकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

श्री निरंजनी अखाड़ा व आनंद अखाड़ा भी पुलिस की सुरक्षा के बीच तय समय पर छावनी से निकले। अखाड़े की अगुवाई निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि और आनंद पीठाधीश्वर बालकानंद गिरि ने की। अखाड़े के साथ अखाड़ा परिषद अध्यक्ष एवं श्री महंत रवींद्र पुरी, सचिव महंत रामरतन गिरि, महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद पुरी, महामंडलेश्वर निरंजन ज्योति, श्री महंत शंकरानंद सरस्वती समेत सौ से अधिक महामंडलेश्वरों और श्री महंतों ने हजारों शिष्यों के साथ स्नान किया।

तीसरे क्रम में जूना अखाड़े के साथ आवाहन और अग्नि अखाड़ा के संन्यासी स्नान के लिए निकले। जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि की अगुवाई में हर–हर महादेव के जयकारे लगाते हुए भारी संख्या में नागा जुलूस में शामिल हुए। पूरे शरीर पर भस्म रमाए नागा संन्यासी अलग कौतूहल पैदा कर रहे थे। पूरे अखाड़ा मार्ग पर करतब दिखाते नागा संन्यासी संगम तक पहुंचे।

अखाड़ों के कोतवालों से इशारा मिलते ही नागा संन्यासियों ने हर–हर महादेव का उद्घोष करते हुए संगम की ओर दौड़ लगा दी। स्वामी अवधेशानंद ने षोडशोपचार पूजन किया। स्नान के पश्चात नागा संन्यासियों ने शरीर पर भस्म रमाई। पूरे रास्ते फूलों की बारिश होती रही। उधार, सुबह करीब नौ बजे तक सभी शैव अखाड़े छावनी में लौट गए। छावनी में लौटने के साथ ही संन्यासियों ने वापसी की तैयारी शुरू कर दी।

हरिद्वार कुंभ में मिलने का वादा...त्रिशूल, चिमटा समेटने लगे नागा संन्यासी

प्रयागराज। सोमवार को तीसरे स्नान के बाद से नागा संन्यासियों ने अपना समान एकत्र करना शुरू कर दिया। निरंजनी, महानिर्वाणी एवं जूना अखाड़े के बाहरी पटरी पर पिछले 22 दिनों से धूनी रमाए नागा संन्यासी अपना सामान समेटने लगे।

अंतिम अमृत स्नान पूरा होने के साथ ही अखाड़ों में अब विदाई का दौर आरंभ हो गया। छावनी में कढ़ी पकौड़ी की परंपरागत पंगत के बाद सभी साधु–महात्मा एक दूसरे से विदा लेकर काशी रवाना हो जाएंगे। अचला सप्तमी के बाद अलग–अलग अखाड़ों में कढ़ी पकौड़ी होगी। सबसे पहले शैव अखाड़े के संन्यासी विदाई लेंगे। उसके बाद अनी एवं उदासीन अखाड़ों के साधु–संत विदा होंगे। हालांकि, अखाड़ों की धर्मध्वजा महाशिवरात्रि के बाद ही छावनी से उतारी जाएगी। अब सभी अखाड़ों की अगली मुलाकात दो साल बाद हरिद्वार अर्द्धकुंभ में होगी। सोमवार को तीसरे स्नान के बाद से नागा संन्यासियों ने अपना समान एकत्र करना शुरू कर दिया। निरंजनी, महानिर्वाणी एवं जूना अखाड़े के बाहरी पटरी पर पिछले 22 दिनों से धूनी रमाए नागा संन्यासी अपना सामान समेटने लगे। धूनी के साथ जमीन पर गड़ा चिमटा उखाड़कर उसे कपड़े से बांध लिया। त्रिशूल एवं तलवार भी बक्से में रख ली।

निरंजनी अखाड़ा के नागा संन्यासी महेंद्र पुरी के मुताबिक, कढ़ी–पकौड़ी के बाद धूनी भी ठंडी कर देंगे। पिछले करीब एक माह से श्रद्धालुओं को आशीष बांट रहे नागा संन्यासी अब यहां से जाने के लिए ट्रक, ट्रैक्टर एवं वाहनों के बंदोबस्त में लगे हैं। उनका कहना है कि अचला सप्तमी तक अधिकांश संन्यासी यहां से चले जाएंगे। अनी अखाड़े के संन्यासी धूना तपस्या पूरी करके के साथ ही त्रिजटा स्नान को यहां ठहरेंगे। इसके बाद वह भी यहां से रवाना हो जाएंगे।

जिन नागाओं की दीक्षा कुंभ नगरी में हुई है, उनको अखाड़ों का प्रमाण पत्र काशी से मिलेगा। इसके साथ ही नए बने महामंडलेश्वर, महंत समेत रमता पंच के सदस्यों को भी मोहर छाप काशी से ही नई बनवानी पड़ेगी।। महाकुंभ के साथ ही उनके पुराने सभी प्रमाण पत्र भी रद हो जाते हैं। अब इनको नए सिरे से बनवाया जाएगा।

वैष्णव परंपरा के संत यहां त्रिजटा स्नान तक ठहरेंगे। श्रीकृष्ण मंगल सनातन विचार मंच के डॉ. विश्वनाथ निगम का कहना है कि माह भर तक स्नान न कर पाने वालों के लिए त्रिजटा स्नान विशेष फलदायी होता है। फाल्गुन मास की तृतीया तिथि पर त्रिजटा स्नान का मुहूर्त माना जाता है। तमाम वैष्णव संत भी इस स्नान के लिए खास तौर से प्रयाग आते हैं। इस वर्ष महाकुंभ होने की वजह से वह यहां रहकर ही त्रिजटा स्नान करेंगे।

बहिनी, भइया और माता संगम तट पर न करें विश्राम, यहां रही सबसे अधिक निगरानी, गूंजती रही सायरन की आवाज

प्रयागराज। वसंत पंचमी पर अधिकारी माइक के जरिए अपील करते रहे कि कोई भी श्रद्धालु संगम तट पर विश्राम न करे। रात नौ बजे से ही अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों का भ्रमण शुरू हो गया था। संगम नोज के पिलर नंबर 152 से लेकर 225 पर सबसे ज्यादा निगरानी रही।

चाचा, भइया, माताजी और बहिनी त्रिवेणी के तट पर आपका स्वागत है। अगर आप स्नान कर चुके हैं तो घाट को खाली कर दें और आगे की तरफ बढ़ें। घाट पर ना सोएं। वसंत पंचमी का मुहूर्त आरंभ हो चुका है और आप जल्दी जल्दी स्नान करके आगे बढ़ते रहें।

घाट के किनारे और रास्ते में बैठकर आराम ना करें। मेला क्षेत्र में जगह–जगह जन आश्रय स्थल बनाए गए हैं, वहीं जाकर विश्राम करें। रात के नौ बजे से संगम नोज पर माइक और लाउडहेलर से यह घोषणा हर दो मिनट पर गूंज रही थी। संगम नोज के पिलर नंबर 152 से 225 पर सबसे अधिक निगरानी हो रही थी।

अर्द्धसैनिक बलों के साथ ही पुलिसकर्मी और अधिकारियों का पूरा ध्यान भी इसी जगह पर था। संगम नोज पर भीड़ का दबाव कम करने के लिए पिलर नंबर 240 के पास से मेला क्षेत्र तक रस्सियों की बैरिकेडिंग करके अर्द्धसैनिक बलों के जवान खड़े थे।

किला मार्ग से आने वाली पूरी भीड़ को यमुना की तरफ डायवर्ट कर दिया गया। भीड़ अब धीरे–धीरे किला घाट की ओर बढ़ रही थी। इससे संगम नोज पर श्रद्धालुओं की भीड़ का दबाव थोड़ा कम हो गया। वहीं, संगम से किला मार्ग पर जाने वाली सड़क के दोनों किनारे सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु भोर का इंतजार करने के लिए जमीन पर ही बैठे हुए थे।

संगम नोज पर स्नान करने वालों को भी घाट पर रुकने के लिए 10 मिनट से ज्यादा का समय नहीं दिया जा रहा था। उच्चाधिकारी पैदल ही किला मार्ग से संगम नोज तक हर घंटे पर पैदल ही निगरानी कर रहे थे। आने जाने वाले रास्तों को पूरी तरह से खाली कराने के निर्देश लगातार दिए जा रहे थे।

मचान पर बैठे पुलिसकर्मी ने लाउडहेलर से माला–फूल बेचने वाले कुछ बच्चों को सख्ती से हटाने के लिए अनाउंस किया तो मौके पर मौजूद अधिकारी ने तत्काल उनको संयम बरतने का निर्देश दिया। उच्चाधिकारियों ने कहा कि किसी को डंडा न मारें, शालीनता और संयम के साथ अनाउंसमेंट करें। किसी भी श्रद्धालु के साथ दुर्व्यवहार न करें। अधिकारियों के निर्देश के बाद पुलिसकर्मियों के भी सुर बदल गए। वह हाथ जोड़–जोड़कर श्रद्धालुओं से निवेदन कर रहे थे कि आप लोग स्नान करने के बाद तुरंत घाट को खाली कर दें।

संगम नोज के हर घाट पर सायरन की आवाज हर 15 मिनट के अंतराल पर गूंज रही थी। पुलिसकर्मी हाथ में सायरन लेकर श्रद्धालुओं को जगाते हुए सायरन बजाते हुए लगातार गश्त कर रहे थे।

अमेरिका की आबादी से अधिक लोगों ने अब तक संगम में लगाई डुबकी, आखिरी अमृत स्नान से पहले बना रिकॉर्ड

प्रयागराज। वसंत पंचमी के बाद महाकुंभ में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 37 करोड़ पार कर गई। वसंत पंचमी अमृत स्नान पर्व पर शाम छह बजे तक ही 2.33 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे। वहीं, रविवार तक कुल 34.97 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे।

महाकुंभ के दौरान संगम में डुबकी लगाने वालों की संख्या विश्व के तीसरी सबसे बड़ी आबादी वाले देश अमेरिका से भी अधिक हो गई है। अमेरिका की जनसंख्या 34.11 करोड़ है। जबकि, संगम में रविवार को ही 34.97 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके थे। सोमवार को तो स्नान करने वालों का आंकड़ा 37 करोड़ पार कर गया।

विश्व में भारत की आबादी सबसे अधिक 1.42 अरब से ज्यादा है। इसके बाद चीन की जनसंख्या 1.41 अरब से अधिक है। वहीं, तीसरे नंबर पर अमेरिका है जिसकी जनसंख्या 34.11 करोड़ है। मेला प्राधिकरण से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, रविवार तक महाकुंभ में 34.97 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे।

वसंत पंचमी के बाद महाकुंभ में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 37 करोड़ पार कर गई। वसंत पंचमी अमृत स्नान पर्व पर शाम छह बजे तक ही 2.33 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे। वहीं, रविवार तक कुल 34.97 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे। इस तरह से सोमवार को शाम छह बजे तक 37.30 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे। इसके बाद भी संगम व अन्य घाटों पर स्नान का क्रम लगातार जारी था।

वसंत पंचमी पर संगम तट पर भक्ति की लहरों में डूबने के लिए समूचा विश्व पौ फटने से पहले ही आतुर हो उठा। महाकुंभ के तीसरे और आखिरी शाही स्नान पर्व की वसंती छटा इसी तरह दुनिया को अपने मोहपाश में बांधती नजर आई। मेला प्रशासन ने 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम में डुबकी लगाने का दावा किया।

वसंत पंचमी पर पूरी दुनिया एक तट पर एकता के महाकुंभ को परिभाषित करती रही। इस अनंत प्रेम, बंधुत्व के प्रवाह का संत–भक्त, कल्पवासी सभी साक्षी बने। रात 12 बजे के बाद से ही वसंत की डुबकी लगने लगी। अमेरिका से आई प्रेममई साईं मां लक्ष्मी के साथ डेनिल, डेनियल ट्वेन, रूस के हमजातोव, लूलिया गले में रुद्राक्ष की माला और तुलसी की लटदार कंठी पहनकर संगम पर मुस्कुराते पहुंचे।

वहीं डिजिटल बाबा रामशंकर अमृत स्नान के दृश्यों को जीवंत बना रहे थे, तो साध्वी के वेश में सुंदरिया उस वसंती आभा को और चटख बना रही थीं। अमेरिका की ही पूर्व सैन्य अधिकारी हाना और अर्जेंटीना के मार्कवेल भी नागा संन्यासियों के समूह के पीछे दीवाने बनकर दौड़ते रहे। इसी तरह कई देशों के साधु और श्रद्धालु जय श्री राम, हर हर गंगे, हर हर महादेव का जयकारा लगाते सनातन को रंग को गाढ़ा बना रहे थे।

पांच बजे भोर में को संगम जाने वाले अखाड़ा मार्ग के दोनों तरफ से लेकर वाच टावर से लेकर संगम अपर और संगम लोअर मार्ग के दोनों तरफ की चकर्ड प्लेट सड़कों की पटरियों पर तिल रखने की जगह नहीं बची। त्रिवेणी पांटून पुल से संगम जाने वाले मार्ग पर ढोल, ताशे के बीच शाही सवारियों का हर किसी को इंतजार था। चाहे लाल मार्ग को या काली मार्ग या फिर त्रिवेणी मार्ग, हर तरफ से लोग झूमते, ठिठकते संगम में डुबकी लगाने पहुंचे।

2700 सीसीटीवी कैमरे से की गई महाकुंभ में वसंत पंचमी स्नान पर्व पर निगरानी

40 अफसरों ने संभाली स्नान पर्व की जिम्मेदारी

12 किमी लंबे तट के 42 घाटों पर वसंत की डुबकी लगाकर धन्य हुई दुनिया

10.25 घंटे तक लगातार चला अमृत स्नान

संगम तट भारतीय और विदेशी श्रद्धालुओं से पूरी तरह से भर गया। आस्था का ऐसा संगम हुआ कि संगम की रेत तक नजर नहीं आ रही थी। हर तरफ सिर्फ सिर ही सिर नजर आ रहे थे। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, केरल, आंध्र प्रदेश समेत हर राज्य, हर जाति–पंथ के लोग थे। विदेशी श्रद्धालुओं ने संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। अमेरिकी, इस्राइली, फ्रांसीसी समेत कई अन्य देशों के भक्तों ने डुबकी लगाकर सनातन की संस्कृति को साझा किया।

महाकंभ में सनातन परंपरा को मनाने वाले शैव, शाक्त, वैष्णव, उदासीन, नाथ, कबीरपंथी, रैदासी से लेकर भारशिव, अघोरी, कपालिक सभी पंथ और संप्रदायों के साधु, संत एक साथ मिलकर अपने–अपने रीति–रिवाजों से पूजन–अर्चन और गंगा स्नान कर रहे थे। संगम तट पर लाखों की संख्या में कल्पवास करने वाले श्रद्धालु देश के कोने–कोने से पहुंचे। अलग–अलग जाति, वर्ग, भाषा को बोलने वाले साथ मिलकर महाकुंभ की संस्कृति को साकार करते रहे।

आखिरी अमृत स्नान पर दिखा सनातन का विराट रूप, आज से काशी रवाना होंगे शैव अखाड़े

प्रयागराज। आखिरी अमृत स्नान के साथ अखाड़ों का प्रयाग प्रवास सोमवार को पूर्ण हो गया। शैव अखाड़े के संन्यासी अगले चरण में काशी प्रवास के लिए यहां से रवाना होने लगे हैं। वहीं, अनि और उदासीन अखाड़े के संत अन्य धार्मिक संस्कार पूर्ण करके अपने–अपने स्थान को लौटेंगे।

वसंत पंचमी पर तीसरे अमृत स्नान के दौरान संगम तीरे सनातन धर्म का विराट स्वरूप नजर आया। सनातन परंपरा के सभी 13 अखाड़ों ने राजसी ठाठ–बाट के साथ अमृत स्नान किया। संगम नगरी महादेव और सियाराम के जयकारों से गूंजती रही। हजारों की संख्या में नागा संन्यासी त्रिशूल, गदा और तलवार लहराते हुए स्नान के लिए पहुंचे। आखिरी अमृत स्नान के साथ अखाड़ों का प्रयाग प्रवास सोमवार को पूर्ण हो गया।

शैव अखाड़े के संन्यासी अगले चरण में काशी प्रवास के लिए यहां से रवाना होने लगे हैं। वहीं, अनि और उदासीन अखाड़े के संत अन्य धार्मिक संस्कार पूर्ण करके अपने–अपने स्थान को लौटेंगे। अमृत स्नान के लिए सबसे पहले तड़के करीब चार बजे छावनी से श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा और श्री शंभू पंचायती अटल अखाड़ा निकले। विधि–विधान से छावनी में ईष्ट देव की पूजा–अर्चना की गई।

इसके बाद हजारों नागा संन्यासियों ने शस्त्र प्रदर्शन किया। अखाड़े के दिव्य भाल सूर्य प्रकाश और भैरव प्रकाश को नागा संन्यासियों ने कंधों पर थामा। उनके पीछे ईष्ट देव भगवान कपिल की पालकी चली। आचार्य महामंडलेश्वर के पीछे नागा संन्यासी तलवार, गदा और त्रिशूल लहराते हुए बढ़े। दर्जनों महामंडलेश्वर भी शिष्यों के संग रथों पर सवार होकर निकले। अस्त्र–शस्त्र के साथ दौड़ लगाते नागाओं ने संगम में डुबकी लगाई। संगम घाट पर ही नागा संन्यासियों ने अजब–गजब करतब दिखाकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

श्री निरंजनी अखाड़ा व आनंद अखाड़ा भी पुलिस की सुरक्षा के बीच तय समय पर छावनी से निकले। अखाड़े की अगुवाई निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि और आनंद पीठाधीश्वर बालकानंद गिरि ने की।

अखाड़े के साथ अखाड़ा परिषद अध्यक्ष एवं श्री महंत रवींद्र पुरी, सचिव महंत रामरतन गिरि, महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद पुरी, महामंडलेश्वर निरंजन ज्योति, श्री महंत शंकरानंद सरस्वती समेत सौ से अधिक महामंडलेश्वरों और श्री महंतों ने हजारों शिष्यों के साथ स्नान किया।

भक्ति की लहरों में खिला वसंत, अमृतपान को उमड़ा जनसमूह

प्रयागराज। महाकुंभ के तीसरे और आखिरी शाही स्नान पर्व की वसंती छटा इसी तरह दुनिया को अपने मोहपाश में बांधती नजर आई। रात आठ बजे तक मेला प्रशासन ने 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम में डुबकी लगाने का दावा किया

तुलसीदास की उक्त चौपाई वसंत पंचमी के अमृत स्नान पर्व पर साकार हुई। इसका आशय है कि पापों के समूह रूपी हाथी को मारने के लिए सिंह रूपी प्रयागराज का प्रभाव कोई नहीं कह सकता। ऐसे सुहावने तीर्थराज का दर्शन कर सुख के समुद्र प्रभुश्री राम भी त्रेता में मुग्ध हो गए थे।

वसंत पंचमी पर संगम तट पर भक्ति की लहरों में डूबने के लिए समूचा विश्व पौ फटने से पहले ही आतुर हो उठा। महाकुंभ के तीसरे और आखिरी शाही स्नान पर्व की वसंती छटा इसी तरह दुनिया को अपने मोहपाश में बांधती नजर आई। रात आठ बजे तक मेला प्रशासन ने 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम में डुबकी लगाने का दावा किया। इसके साथ अब तक 37.54 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं।

वसंत पंचमी पर पूरी दुनिया एक तट पर एकता के महाकुंभ को परिभाषित करती रही। इस अनंत प्रेम, बंधुत्व के प्रवाह का संत–भक्त, कल्पवासी सभी साक्षी बने। रात 12 बजे के बाद से ही वसंत की डुबकी लगने लगी। अमेरिका से आई प्रेममई साईं मां लक्ष्मी के साथ डेनिल, डेनियल ट्वेन, रूस के हमजातोव, लूलिया गले में रुद्राक्ष की माला और तुलसी की लटदार कंठी पहनकर संगम पर मुस्कुराते पहुंचे।

वहीं, डिजिटल बाबा रामशंकर अमृत स्नान के दृश्यों को जीवंत बना रहे थे, तो साध्वियां इस आभा को और चटख बना रही थीं। अमेरिका की ही पूर्व सैन्य अधिकारी हाना और अर्जेंटीना के मार्कवेल भी नागा संन्यासियों के समूह के पीछे दीवाने बनकर दौड़ते रहे। इसी तरह कई देशों के साधु और श्रद्धालु जय श्री राम, हर हर गंगे, हर हर महादेव का जयकारा लगाते सनातन के रंग को गाढ़ा बना रहे थे।

पांच बजे भोर में संगम जाने वाले अखाड़ा मार्ग के दोनों तरफ व वॉच टावर से लेकर संगम अपर और संगम लोअर मार्ग के दोनों ओर की चकर्ड प्लेट सड़कों की पटरियों पर तिल रखने की जगह नहीं बची। त्रिवेणी पांटून पुल से संगम जाने वाले मार्ग पर ढोल, ताशे के बीच शाही सवारियों का हर किसी को इंतजार था। चाहे लाल मार्ग हो या काली मार्ग या फिर त्रिवेणी मार्ग, हर तरफ से लोग झूमते, ठिठकते संगम में डुबकी लगाने पहुंचे। अब 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा स्नान है।

संगम तट भारतीय और विदेशी श्रद्धालुओं से पूरी तरह से भर गया। आस्था का ऐसा संगम हुआ कि संगम की रेत तक नजर नहीं आ रही थी। हर तरफ सिर्फ सिर ही सिर नजर आ रहे थे। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, केरल, आंध्र प्रदेश समेत हर राज्य, हर जाति पंथ के लोग थे। विदेशी श्रद्धालुओं ने संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। अमेरिकी, इस्राइली, फ्रांसीसी समेत कई अन्य देशों के भक्तों ने डुबकी लगाकर सनातन की संस्कृति को साझा किया।

बजट के आंकड़ें से पहले महाकुंभ में मरने वालों के आंकड़े दे सरकार : अखिलेश

भगदड़ में मृतकों खातिर की दो मिनट मौन की मांग

लखनऊ, संवाददाता। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद अखिलेश यादव ने मंगलवार को चर्चा में हिस्सा लिया। अखिलेश यादव ने महाकुंभ भगदड़ के मृतकों के लिए 2 मिनट के मौन की मांग की, इसपर स्पीकर ने कहा कि ये मेरा अधिकार है।

अखिलेश यादव ने कहा कि जी ये आपका ही अधिकार है, बस मैं इसकी मांग कर रहा हूं।इस दौरान अखिलेश यादव की पार्टी के नेताओं ने शोर मचाना शुरू किया तो अखिलेश यादव ने अपना हेडफोन कान से हटाया और डांटना–डपटना शुरू कर दिया। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा, सरकार बजट के आंकड़े दे रही है, लेकिन आंकड़ें देने से पहले महाकुंभ में मरने वालों के आंकड़े दे। महाकुंभ की व्यवस्थाओं के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। महाकुंभ आपदा प्रबंधन और खोया–पाया केंद्र की जिम्मेदारी सेना को दी जाए। महाकुंभ हादसे में मौतों, घायलों के इलाज, दवाइयों, डॉक्टरों, भोजन, पानी, परिवहन की उपलब्धता के आंकड़े संसद में पेश किए जाएं।महाकुंभ त्रासदी के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई हो और सच्चाई छिपाने वालों को सजा मिले। हम डबल इंजन सरकार से पूछते हैं कि अगर कोई दोष नहीं था तो आंकड़े क्यों दबाए गए, छिपाए गए और मिटाए गए?

प्रधानमंत्री अगर महाकुंभ जाये तो उनसे जरूर मिले जिनके लोग खोए–राम गोपाल

लखनऊ, संवाददाता। प्रयागराज महाकुंभ में कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंचने वाले हैं। समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव ने पीएम से बड़ी अपील की। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने प्रधानमंत्री मोदी के कल महाकुंभ में जाने की खबरों पर कहा, 1954 में जब बहुत बड़ी भगदड़ मची थी, तो जवाहर लाल नेहरू ने सदन में पहले ही दिन कहा था कि 400 लोग मारे गए हैं और 2000 लोग घायल हैं और उन्होंने अपना बयान दिया था, उसके बाद सरकार ने कहा था कि कोई भी वीआईपी न जाए जिससे लोगों को असुविधा हो, लेकिन हमारे मुख्यमंत्री वहां रोज रहते हैं। यह प्रधानमंत्री को सोचना है कि उन्हें जाना चाहिए या नहीं और अगर जाते हैं तो उन्हें उन लोगों से भी मिलना चाहिए जिनके लोग खो गए हैं और जो उन्हें खोज रहे हैं।सूत्रों की मानें तो पीएम नरेंद्र मोदी 5 फरवरी को महाकुंभ में संगम घाट पर स्नान करेंगे। हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं आई है।

मिल्कीपुर उपचुनाव: मतदान आज, 3,71,578 मतदाता चुनेंगे अपना एमएलए

युवाओं पर दारोमदार,जिधर झुकेंगे पलड़ा भारी

लखनऊ, संवाददाता। मिल्कीपुर विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव को लेकर कल मतदान होगा।एक मात्र मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव हो रहा है लेकिन यह सीट बहुत ही महत्वपूर्ण हो गई है। इस एक सीट पर जीत या हार से विधानसभा में कुछ खास फर्क भले न पड़े लेकिन बीजेपी और सपा की साख पर जरूर असर पड़ेगा। दोनों की ही प्रतिष्ठा जुड़ गई है। सीएम योगी न कोई कोर कसर छोड़ी प्रचार में न अखिलेश यादव ने ही कोशिश में कोई कमी रखी। अब कल मतदाताओं की क्या मंशा है वो ईवीएम का बटन दबाकर 05 फरवरी को इजहार करेंगे जो 08 फरवरी बको रिजल्ट बनकर सामने आयेगी। अयोध्या में मिल्कीपुर के उपचुनाव में युवा मतदाताओं की निर्णायक भूमिका रहेगी। करीब 47.51 फीसदी मतदाताओं की उम्र 40 साल से कम है। जिस भी पार्टी विशेष के हक में इनके वोट पड़ेंगे, उनका पलड़ा भारी रहेगा।

कुम्भ की महिमा भारी

(कुण्डलिया)

अद्भुत रंग वसन्त का,मोहक नव संगीत।
क्षुद्र वासनाएँ विरत,उपजा प्रेम– पुनीत।
उपजा प्रेम–पुनीत,कुम्भ की महिमा भारी।
साधु रंग में हैं मगन,गंग नहाय नर– नारी।
सुन लो कहें प्रदीप, माघ करता है प्रस्तुत।
संगम तट का दृश्य, देखिए कितना अद्भुत। ।

धरती पुण्य प्रयाग की,वासन्तिक उल्लास।
निर्मल मन से कर रहे,विमल मधुर परिहास।
विमल मधुर परिहास, माघ की अद्भुत भाषा।
सुखी रहे परिवार, यही बस है अभिलाषा।
सुन लो कहें प्रदीप,उन्हीं का माँ दुख हरती।
बनकर जिसने कृषक,हमेशा पूजी धरती।।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

उत्तर मध्य रेलवे

ई निविदा संख्या: सिग-डब्लू एस-कान्ट्रैक्ट-576 दिनांक: 31.01.2025

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, भारत के राष्ट्रपति के लिये उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये मुहरबन्द खुली निविदायें आन लाइन (ई टेंडरिंग) निर्धारित प्रपत्र पर आमन्त्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम: उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में स्टेशनों (यानी लूसा, खैराही और सोनभद्रा) पर पूर्ण सिग्नलिंग और टेलीकॉम इनडोर और आउटडोर कार्यों के साथ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की आपूर्ति, डिजाइनिंग, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग और चुनार-चोपन डबल लाइन के संबंध में कर्मा और पसाहिकला स्टेशन पर मौजूदा ईआई में बदलाव।

कार्य की अनुमानित लागत: ₹ 300634021.82 (तीस करोड़ छह लाख चौंतीस हजार इक्कीस और बयासी पैसे मात्र)। धरोहर राशि: ₹ 1653200.00 (रु. सोलह लाख तिरपन हजार दो सौ मात्र)।

कार्य पूर्ण करने की अवधि: 11 माह। निविदा जमा होने की अन्तिम तिथि: 24.02.2025 समय 15:00 बजे तक जमा होगा। निविदा खुलने की तिथि: 24.02.2025 समय 15:30 बजे खुलेगा।

निविदा संबंधी पूर्ण जानकारी हेतु भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in को देखें। 215/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

वसन्त, प्रकृति का उल्लास महापर्व है: बेशरम

करछना। सुनहरी भोर के साथ दिन में खिली खिली धूप की गुलाबी महक और खेतों सिवानों में खिले सरसों के पीले फूलों से सजधज कर वसन्त का आगाज हो चुका है।वासन्ती छटा से अनुरंजित हमारे पर्यावरण और परिवेश को नूतनता का पुनर्पाठ पढ़ाता वसन्त हमारी प्रकृति का उल्लास महापर्व है।

यह बातें चर्चित हास्य कवि और मंच संचालक अशोक सिंह बेशरम ने कटका स्थित के.एन. कॉन्वेंट विद्यालय में वसंत पंचमी पर आयोजित सरस्वती पूजन समारोह की बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि शरद ऋतु के समापन के उपरांत वसंत एक बार फिर से अपनी न्यारी छटा के साथ खेत खलिहान,घर आंगन में दस्तक दे चुका है।ऐसे में वासंती गीतों के साथ शुरू हुआ वसंत धीरे–धीरे फागुनी गीतों के लोक रंग को लेकर मुखरित होगा। आज के दिन ही जगह–जगह होलिका

की सम्मत गाड़ने की भी परंपरा है।जहां गांव के बच्चे महीनों खरपतवार और लकडिघ्यां जुटा कर होलिका लगाते हैं और फिर होली गीतों की चहक के साथ चौबारे भी गुलजार हो उठते हैं। आज से ही हमारे समाज में वसन्त गीत––बहे पुरवइया उड़ावै गरदी,मोरी देहिया भइल बा पियर हरदी, गाने का चलन भी शुरू हो चुका है। प्रकृति की इस नवीनता और उल्लास पर्व की परंपरा के साथ–साथ हमारी दिनचर्या और हमारे गीतों में भी बदलाव शुरू होगा। अनुहार,मनुहार मादकता,और प्रीति,रीति की परंपरा को सृजित करने वाले ऋतुराज वसंत की आनन्दानुभूति जहां एक ओर हमारे जीवन में भी नवीनता का संचार करने को आतुर है, वहीं संत महंथ दिग्दिगंत भी प्रयागराज के पावन महाकुंभ महामहोत्सव में वसंत का स्वागत कर रहे हैं। हमें चाहिए कि वसंत की इस परंपरा से जुड़कर आनंद के इस आलोक को जीवन में भी प्रेरक बनाएं।साथ ही अपने चौपालों में मौसमी गीतों का लुफ्त उठाएं। विद्यालय के प्रबंधक राजू अवस्थी ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना करते हुए बच्चों से शिक्षा संस्कृति, संस्कार से जुड़करआगे बढ़ाने के प्रति प्रेरित किया। बच्चों ने भी सरस्वती वंदना और वसन्त गीतों से समां बांधी। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक और बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

आर्य साहित्य सम्मेलन का आयोजन 15– 16 फरवरी को

झूंसी, प्रयागराज। साहित्यकार सम्मेलन, अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं वैदिक महासम्मेलन 15–16 (शनिवार व रविवार) को। इस भव्य आयोजन में अखिल भारतीय साहित्यकार सम्मेलन व वेद सम्मेलन में शामिल होंगे। विश्व के अनेक देशों के विद्वान, साहित्यकार और वेद वागीश। अदभुत होगा महाकुंभ में साहित्यकारों का यह कुंभ।

पचास से अधिक साहित्यकार होंगे सम्मानित

महासम्मेलन का आधार विषयदृ महर्षि दयानंद जन्म द्वि शताब्दी वर्ष, आर्यसमाज स्थापना के 150 वर्ष और वैदिक वाड.मय की सनातन धारा पर चिंतन–विमर्श वेद, वैदिक वांगमय, समाज व राष्ट नव निर्माण के लिए कार्य करने वाली संस्था आर्य लेखक परिषद् दिल्ली 15–16 फरवरी को महाकुंभ प्रयागराज में अखिल भारतीय साहित्यकार और आर्य वैदिक महासम्मेलन का आयोजन कुंभ मेला परिसर खंड –18 में कर रही है। महासम्मेलन के संयोजक व परिषद के सचिव वरिष्ठ पत्रकार व साहित्यकार आचार्य अखिलेश आर्येन्दु के मुताबिक महासम्मेलन में जहां भारतीय संस्कृति, वैदिक धर्म और अध्यात्म के तमाम पक्षों पर खुल कर चर्चा की जाएगी वहीं पर हिंदी, देवनागरी लिपि, पत्रकारों और साहित्यकारों का समाज सुधार में भूमिका, वैदिक संस्कारों का नई पीढ़ी के नव निर्माण में भूमिका, महान समाज सुधारक और हिंदी के महान संवाहक व निर्माता महर्षि दयानंद जन्म के दो सौ साल, आर्यसमाज स्थापना के 150 साल पूरे होने, आर्यसमाज के शुद्धि आंदोलन और मौजूदा दौर में घर वापसी की जरूरत जैसे तमाम सम सामयिक विषयों पर परिचर्चा होगी, वहीं पर 15 फरवरी को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया है। दो दिनी इस साहित्य, संस्कृति, वैदिक धर्म और ज्ञान चर्चा में कुल आठ सत्र होंगे जिनमें देश–विदेश से आए वैदिक विद्वान, वेद मनीषी, वेद शोधार्थी, हिंदी, भोजपुरी, अवधी, ब्रज भाषा के साहित्यकार, कवि और पत्रकार बड़ी तादाद में हिस्सा लेंगे। जिनमें दिल्ली से डॉ. प्रेम चंद्र पंतजलि पूर्व कुलपति पूर्वांचल व दिल्ली विश्व विद्यालय, आचार्य रूप चंद्र दीपक व प्रो. सत्यकाम आर्य (लखनऊ) डॉ. प्रमोद अग्रवाल (आईएएस) डॉ. धर्म यश (इंडोनेशिया) साहित्यकार व प्रयागराज उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता हरेन्द्र प्रसाद, डॉ. सुरेश चंद्र शुक्ल (नार्वे) वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. विजयानंद (झूंसी) देश के प्रख्यात समाजसेवी राम नाथ लूथरा (शाहदरा दिल्ली), चर्चित समाज सेवी व चिंतक गोपाल भाई (चित्रकूट) लोकेश शर्मा, सतेंद्र कुमार वशिष्ठ (दिल्ली) डॉ. हरीसिंह पाल (दिल्ली) साहित्यकार व संपादक विजय चितौरी, कवि अमर नाथ सिंह (प्रयागराज) वरिष्ठ पत्रकार व आंदोलनकर्मी संत समीर (दिल्ली) वैदिक प्रवक्ता आचार्य जगदीश दिनेश, आचार्य अशर्फीलाल शास्त्री (प्रयागराज) साहित्यकार राकेश चक्र (मुरादाबाद), डॉ. रसिक किशोर सिंह नीरज (बांदा) आर्य नेता कन्हैया लाल आर्य (गुरुग्राम) जैसे पचास से ज्यादा साहित्यकारों और वैदिक आचार्यों की भागीदारी होगी। सम्मेलन में विदेशी साहित्यकारों के अलावा देश के दस राज्यों से आए साहित्यकार व पत्रकार हिस्सा लेंगे। इस दौरान सम्मेलन में परिषद की स्मारिका आर्ष प्रज्ञा पुंज, वरिष्ठ साहित्यकार अखिलेश आर्येन्दु लिखित पुस्तक शाकाहार दृ विश्व शांति और सर्वोत्तम स्वास्थ्य का आधार सहित अनेक पुस्तकों का लोकार्पण किया जाएगा।

संन्यासी को मरने से क्या डर–अविमुक्तेश्वरानंद

लखनऊ, संवाददाता। प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ को लेकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद योगी सरकार की आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक दुख इस बात है कि इतने लोगों की मौत की खबर छिपाई। सीएम योगी ने संत समाज के साथ धोखा किया, इस बात की पीड़ा बहुत ज्यादा है। शंकराचार्य के योगी सरकार के प्रति मुखर होने को लेकर अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने कहा था कि वह राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा कर रहे हैं। अविमुक्तेश्वरानंद ने जवाब दिया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि जब

महाकुंभ में इतनी बड़ी घटना हो गई और जो मुख्यमंत्री योगी के साथ हैं, उन्हें बचाने के लिए खड़े हैं, वो राजनीतिक लाभ नहीं लेना चाहते और हम उनके खिलाफ खड़े होकर क्या राजनीतिक लाभ ले लेंगे। हमको लेना होगा तो जो पार्टी बहुमत में हैं, जिस पार्टी का सीएम है, उसके पक्ष में जाकर राजनीतिक लाभ मिलेगा या जो विपक्ष में हैं, उनके आने की संभावना अभी दिख नहीं रही। उनसे हमको लाभ मिलेगा। शंकराचार्य ने मायावती की पार्टी बीएसपी, अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, चंद्रशेखर आजाद की पार्टी एएसपीके, राजभर की पार्टी सुभासपा और ओवैसी की पार्टी का जिक्र किया। इन पार्टियों के सत्ता में आने की कोई संभावना नहीं दिख रही है। ये पार्टियां हमको राजनीतिक लाभ दे सकती हैं या योगी आदित्यनाथ हमको ज्यादा लाभ दे सकते हैं।मानी बात है, लाभ हमको मिल सकता है तो योगी आदित्यनाथ से मिल सकता है। अगर हम राजनीतिक लाभ के लिए बोल रहे होते तो जैसे महाराज जी रवींद्र पुरी खड़े हैं, वैसे हम भी उन्हीं के बगल में जाकर खड़े हो जाते और कहते कि बड़ा अच्छा काम हो रहा है, हमने ये नहीं किया।जब कोई आरोप लगाता है तो उसको देख लेना चाहिए कि मैं कहां खड़ा हूं।जब शंकराचार्य से पूछा गया कि क्या आपसे सरकार की ओर से कभी कहा गया कि ऐसे बयान मत दीजिए तो उन्होंने कहा कि नहीं ऐसा कभी नहीं हुआ। बताने आते कि ये सच्चाई है तो अच्छा होता।कोई व्यक्ति आता कि महाराज ये बात आपकी तथ्य विरुद्ध हो रही है ये हम तथ्य आपके सामने रख रहे हैं। हमको अच्छा लगता है कि ये तथ्य सामने रख रहे हैं, लेकिन वो तो कभी संवाद ही नहीं करते हैं। उनके लोग धमकी देते रहते हैं कि हम जान से मार देंगे। जब हम अपना श्राद्ध तर्पण कर ही चुके हैं तो संन्यासी को मरने से क्या डर है।

● राजनीतिक लाभ लेना होता तो योगी के साथ खड़े होते

● अखिलेश, राहुल गांधी और मायावती के सत्ता में आने की संभावना को किया खारिज

डॉ. प्रशान्त एवं पीयूष के नेतृत्व में विशाल खिचड़ी भंडारा सम्पन्न

प्रयागराज। सामाजिक समरसता,पारस्परिक सद्भाव,समर्पण मानवीय सेवा को बढ़ाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महाविद्यालययीन विद्यार्थी कार्य विभाग प्रयाग की ओर से मंगलवार को प्रयाग स्टेशन तिराहे पर विशाल खिचड़ी भंडारे का आयोजन किया गया। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रशांत सिंह शांडिल्य एवं संस्कृत विभाग के शिक्षक,कवि डॉ पीयूष मिश्र पीयूष के कुशल नेतृत्व में लगभग डेढ़ कुन्तल खिचड़ी का वितरण किया गया।

भारी संख्या में स्नानार्थियों, दर्शनार्थियों के साथ साथ आम लोगों ने भी खिचड़ी का स्वाद लिया। उल्लेखनीय है कि कार्य विभाग प्रयाग द्वारा विगत तीन दिनों में भिन्न भिन्न स्थानों पर विशाल खिचड़ी भंडारे का आयोजन कर भाईचारे के भाव को बढ़ावा दिया गया।खिचड़ी वितरण कार्यक्रम में सह विभाग प्रचारक प्रयाग सुबन्धु जी,नागेंद्र, संजय,अनूप, सत्येंद्र, डॉ. मीनाक्षी, रिंकी मिश्रा, परिमल, प्रतिष्ठा मिश्रा,आर्यन केसरवानी, उत्पल, रवींद्र कुशवाहा ने बढ़ चढ़कर सहयोग किया।

आई.आई.टी.परिसर में वसंत काव्योत्सव

कानपुर। वसंत पंचमी के अवसर पर श्वाग्मी सेवा समितिश्के बैनर तले वसंत काव्योत्सव का आयोजन आई. आई. टी. के सुरम्य वातावरण में बने आवासीय परिसर के आवास संख्या 1ध्165 में संपन्न हुआ।कवयित्री सुश्री शिप्रा ज्ञानेन्द्र की वागेश्वरी वंदना से प्रारंभ कवि गोष्ठी में कवि रामजीत यादव ,अजय शादाब,शिप्रा

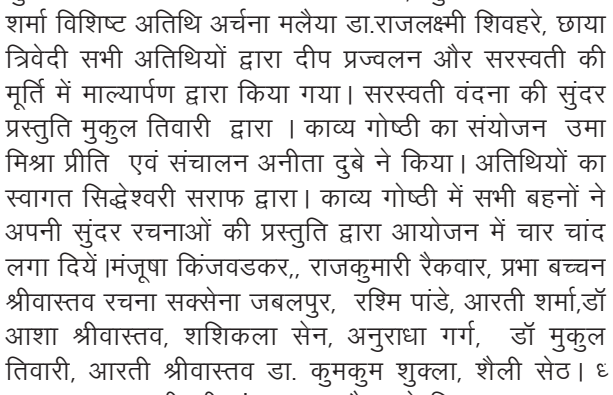

इरम,भरत सोमैया,विरल रावत,अभिलाषा विश्वकर्मा , सजीव गुप्ता,जयराम जय आदि ने वासंती कविताओं से वातावरण को सरस कर दिया। वाग्मी संस्था के अध्यक्ष प्रसिद्ध कहानीकार अरुण शुक्ल श्अरुणप्रियश ने ग्रमीण परिवेश की कहानी श्बिंदियाश का पाठ किया। गोष्ठी की अध्यक्षता गीतकार जयराम जय ने तथा संचालन काव्यकृति श्मेरे इस दिल मेंश के रचनाकार भरत सोमैया श्भारतश ने किया।इस अवसर पर विशेष रूप से रवीन्द्र विश्वकर्मा,मनीष यादव आदि उपस्थित रहे।अंत में संयोजक श्रीमती रक्षा सोमैया ने आगतों का आभार व्यक्त किया।

जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर । शहर समता विचार जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी फरवरी माह के काव्य गोष्ठी बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना, मुख्य अतिथि यामा शर्मा विशिष्ट अतिथि अर्चना मलैया डा.राजलक्ष्मी शिवहरे, छाया त्रिवेदी सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति मुकुल तिवारी द्वारा । काव्य गोष्ठी का संयोजन उमा मिश्रा प्रीति एवं संचालन अनीता दुबे ने किया। अतिथियों का स्वागत सिद्धेश्वरी सराफ द्वारा। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें।मंजूषा किंजवडकर,, राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव रचना सक्सेना जबलपुर, रश्मि पांडे, आरती शर्मा,डॉ आशा श्रीवास्तव, शशिकला सेन, अनुराधा गर्ग, डॉ मुकुल तिवारी, आरती श्रीवास्तव डा. कुमकुम शुक्ला, शैली सेठ। धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती चंद्र प्रकाश वैश्य ने किया।

चतुष्पथ यात्रा 15 मार्च से शुरू होगी

महामंडलेश्वर संजनानन्द बोलीं, 60 दिनों तक चलेगी, सनातन धर्म का प्रचार होगा

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में चतुष्पथ यात्रा की शुरुआत 15 मार्च से होगी। यह लगभग 2 महीने तक चलेगी। यह जानकारी मंगलवार को महामंडलेश्वर संजनानन्द ने दी। उन्होंने बताया कि यात्रा का प्रथम चरण की शुरुआत मूल स्थान कामाख्या पीठ से होगी जो जोधपुर तक जाएगी। संजनानन्द ने बताया कि दूसरे चरण की शुरुआत रामेश्वरम से होगी जो कश्मीर के लाल चौक पर संपूर्ण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस यात्रा के माध्यम से सम्पूर्ण भारत का भ्रमण किया जाएगा। सनातन धर्म के प्रचार प्रसार पर विशेष जोर दिया जाएगा। संजनानन्द ने बताया कि वर्तमान में धर्म के प्रति लोगों में फैल रही गलत धारणाओं को दूर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म के सर्वोच्च धर्माधिकारी आदि शंकराचार्य भगवान ने चतुष्पथ यात्रा करके नवधर्म जागरण किया था। दो माह तक चलने वाली यात्रा में लगभग 5 किलोमीटर पैदल यात्रा की जाएगी। संजनानन्द ने बताया कि यात्रा के रास्ते में पड़ने वाले सभी धर्म स्थान, शक्ति पीठों, देवस्थानों का दर्शन किया जाएगा। सनातन धर्म से जुड़े विद्वानों के साथ मुलाकात करके चर्चा की जाएगी।

युवक का सोशल मीडिया अकाउंट किया हैक, अश्लील पोस्ट करने की दी धमकी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र में साइबर अपराध का एक नया मामला सामने आया है। औरंगाबाद खालसा के रहने वाले अजहर अली का मोबाइल फोन हैक कर उनके सोशल मीडिया अकाउंट से अश्लील पोस्ट करने की धमकी देकर रुपयों की मांग की जा रही है। पीड़ित अजहर अली ने आशियाना थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि अज्ञात साइबर अपराधियों ने उनका मोबाइल फोन हैक कर लिया है और उनके इंस्टाग्राम तथा फेसबुक अकाउंट से अभद्र पोस्ट डालकर पैसों की मांग कर रहे हैं। अपराधी धमकी दे रहे हैं कि अगर रुपए नहीं दिए गए तो सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट कर दी जाएगी। थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह के अनुसार, पीड़ित को आशंका है कि यह कृत्य उनके किसी परिचित व्यक्ति द्वारा किया जा रहा है। इस घटना से पीड़ित मानसिक रूप से काफी परेशान हैं। पुलिस ने मामले में धमकी और आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

प्रॉपर्टी डीलर युवती ने लगाई फांसी, कोई सुसाइड नोट नहीं

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में 25 वर्षीय प्रॉपर्टी डीलर आफरीन ने नीलकंठ अपार्टमेंट में किराए के फ्लैट में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका के पिता का नाम कलीमुद्दीन है और वह मूल रूप से जानकीपुरम सेक्टर 6 की रहने वाली थी। घटना का पता तब चला जब आफरीन के साथ काम करने वाला एक युवक अपार्टमेंट पहुंचा। उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। बेटी की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। हालांकि, परिजनों ने अभी तक किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। आफरीन वर्तमान में अकेले रहकर प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रही थी। आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सम्पादकीय.....

अंततः आयकर कटौती

लंबे अर्से से बढ़ती कीमतों, स्थिर वेतन और करों के बोझ से मध्यम वर्ग वित्तीय दबाव में था। केंद्रीय बजट 2025 में मोदी सरकार ने आयकर छूट सीमा बढ़ाकर व कर दरों में कमी से राहत देने की कोशिश की है। किंतु–परंतु न हो तो अब बारह लाख तक की आय वाले व्यक्ति को कोई कर नहीं देना होगा। धारणा है कि इससे लोगों की आय बढ़ने से उपभोक्ता खर्च में वृद्धि होगी। खपत में वृद्धि से मांग बढ़ेगी जो कालांतर उद्योगों– अर्थव्यवस्था को गति देगी। निस्संदेह आयकर व्यवस्था का सरलीकरण स्वागत योग्य कदम है। वरिष्ठ नागरिकों की ब्याज आय पर कटौती की सीमा को दुगनी करके एक लाख रुपये सालाना करने से उन्हें लाभ मिलेगा। इसी तरह किराये की आय पर निर्भर सेवानिवृत्त लोगों को बढ़ी हुई टीडीएस सीमा का लाभ होगा, जिसे अब बढ़ाकर छह लाख सालाना कर दिया गया है। लेकिन दूसरी ओर ईपीएफ,पीपीएफ, बीमा और होम लोन पर प्रमुख कटौतियों का लाभ हटाने से आम आदमी की वास्तविक बचत खत्म हो सकती है। जिससे दीर्घकालीन बचत में गिरावट संभवित है। नई व्यवस्था पीएफ और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में निवेश को हतोत्साहित करती है। यह स्थिति उनकी भविष्य की वित्तीय सुरक्षा को कमजोर कर सकती है। कर राहत के साथ जरूरी है कि मध्यम वर्ग की आय में वृद्धि हो और मुद्रास्फीति पर नियंत्रण किया जाए। निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्त लोगों की सामाजिक सुरक्षा के बारे में भी सोचना जरूरी है। लेकिन आयकर राहत से मध्यम वर्ग की बचत–खपत बढ़ने से क्या वास्तव में आर्थिकी को गति मिल सकेगी? एक अनुमान के अनुसार भारत में आबादी का चालीस फीसदी मध्यम वर्ग के दायरे में आता है। दरअसल, भारतीय अर्थव्यवस्था मांग की कमी से जूझ रही है। मध्य वर्ग ही वस्तुओं और सेवाओं का बड़ा उपभोक्ता वर्ग है। उसकी क्रय शक्ति कम होने व बचत नहीं होने से उसकी खरीद क्षमता बाधित हुई है। मांग कम होने से उत्पादन में गिरावट आई है और नया निवेश प्रभावित हो रहा है। यही वजह है कि बीते वर्ष में विकास दर पिछले चार सालों में सबसे कम 6.4 रही है जिसके आर्थिक सर्वे में इस साल 6.8 तक रहने का अनुमान है। जो विकसित भारत के लक्ष्यों के अनुरूप नहीं है। सरकार का मानना है कि आयकर में कटौती से बचत और खपत को बढ़ावा मिलेगा। दरअसल, मध्यम वर्ग उपभोक्ता, कर्मचारी और सहायक सेवा करने वाले लोगों का नियोक्ता होता है। सरकार मानती है कि इससे अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। वहीं कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि देश में अप्रत्यक्ष करों में कमी से मांग को ज्यादा बढ़ावा मिल सकता है। अप्रत्यक्ष कर मध्यमवर्ग के बजाय गरीब लोगों को भी देना पड़ता है। दरअसल, हमारी एक सौ चालीस करोड़ की आबादी में नौ करोड़ लोग आयकर रिटर्न भरते हैं और साढ़े तीन करोड़ लोग आयकर देते हैं। इनको राहत देने से सीमित वर्ग की क्रय शक्ति ही बढ़ेगी। कुछ लोग इसे दिल्ली के विधानसभा चुनाव की दृष्टि से उठाया गया कदम बताते हैं क्योंकि वहीं बड़ी संख्या में आयकर दाता सरकारी कर्मचारी रहते हैं।

सत्ता में बने रहने का चुनावी बजट

एनडीए सरकार ने 1 फरवरी को अपना पूर्णकालिक बजट पेश किया। प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल के इस पहले पूर्ण बजट में सत्ता पर किसी भी तरह बने रहने की भाजपा की लालसा साफ तौर पर नजर आई। लोकसभा चुनावों में भाजपा नुकसान उठा चुकी है, तो अब इसकी भरपाई के लिए उसने मध्यवर्ग को लुभाने की कोशिश की है। इसके साथ ही इस बजट में दिल्ली और बिहार में होने वाले विधानसभा चुनावों का असर भी साफ दिखा। दिल्ली में तो इस समय चुनाव प्रचार जोरों पर है और ढाई दशक से सत्ता से बाहर भाजपा का दावा है कि इस बार दिल्ली की जनता उसे मौका देगी। अपने दावे को सच करने के लिए भाजपा इस बार केन्द्रीय कर्मचारियों और वेतनभोगी मध्यवर्ग को अपने पाले में करने की कोशिश में है। अभी हाल ही में आठवें वेतन आयोग का गठन इसी दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है। अब 2025–26 के बजट में केंद्र सरकार ने बड़ा ऐलान किया है कि 12 लाख रुपये तक की सालाना आय कर मुक्त रहेगी यानी कोई आयकर नहीं देना होगा और वेतनभोगी लोगों के लिए ये सीमा 12 लाख 75 हजार रुपए हैं। सरकार ने करमुक्त आय की सीमा को सीधे 5 लाख रुपए बढ़ाया दिया है। जो बहुत से लोगों की नजर में मोदी का मास्टर स्ट्रोक है। क्योंकि इससे देश का मध्यवर्ग खुश हो सकता है। मध्यवर्ग के दायरे में वो लोग शामिल होते हैं, जिनकी सालाना आय 5 से 30 लाख रुपये है। पीपुल्स रिसर्च ऑन इंडियाज कंज्यूमर इकानॉमी के मुताबिक फिलहाल देश की आबादी का 40 प्रतिशत मध्यवर्ग के दायरे में आता है। इस लिहाज से देखें तो लगेगा कि देश के 40 प्रतिशत लोग इस फैसले से राहत पाएंगे। लेकिन यह गणित इतना सीधा नहीं है। भारत की लगभग एक अरब चालीस करोड़ की आबादी में सिर्फ साढ़े नौ करोड़ लोग आयकर भरते हैं और उनमें से भी छह करोड़ लोग शून्य रिटर्न दाखिल करते हैं, इसका मतलब केवल साढ़े तीन करोड़ लोगों को इस कर में छूट का लाभ मिलेगा। सरकार का दावा है कि यह कदम खपत और निवेश को बढ़ावा देने के लिए है। भारतीय अर्थव्यवस्था इस वक्ख्त मांग की कमी से जूझ रही है। भारत की आर्थिक विकास दर अभी 6.4 प्रतिशत है जो पिछले चार साल में सबसे सुस्त गति दिखा रही है। आर्थिक सर्वे में 6.3 से लेकर 6.8 प्रतिशत विकास का अनुमान लगाया जा रहा है, जबकि देश को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत तक चाहिए। सरकार इस लक्ष्य को शायद आयकर में छूट देकर हासिल करना चाहती है। वस्तुओं और सेवाओं का सबसे बड़ा उपभोक्ता समूह मध्यवर्ग होता है, लगातार बढ़ रही महंगाई और बेरोजगारी के कारण उस के हाथ में पैसा नहीं बच रहा है इसलिए खरीद क्षमता प्रभावित हुई और अर्थव्यवस्था में मांग घट गई है। कंपनियों ने भी कम खपत के कारण उत्पादन कम किया है और नए निवेश में भी कमी आई है। अब इस छूट से सरकार उम्मीद बांध रही है कि मांग, खपत, निवेश और बचत सारे लक्ष्य एक साथ साध लेगी। हालांकि सरकार का ही कहना है कि मध्यवर्ग को दी जा रही इस राहत से सरकारी खजाने पर करीब एक लाख करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। प्रकारांतर से यह छूट भी उसी रेवड़ी संस्कृति का हिस्सा दिख रहा है, जिसकी मुखालफत श्री मोदी खुद करते हैं। बहरहाल मध्यवर्ग को दी गई इस राहत से फौरी विकास तो शायद नजर आ जाए, लेकिन इसका दीर्घकालिक असर क्या पड़ेगा, ये विचारणीय है। राजकोषीय घाटे में एक लाख करोड़ का बोझ सरकार किस तरह उठाएगी या अप्रत्यक्ष तरीके से जनता से कैसे वसूली करेगी ये देखना होगा। अभी अप्रत्यक्ष करों के जरिए भी सरकार को अच्छी–खासी कमाई होती है और उसमें केवल मध्यवर्ग नहीं गरीब से गरीब व्यक्ति को भी जेब हल्की करनी पड़ती है।

दांव पर केजरीवाल और राहुल गांधी की प्रतिष्ठा

संतोष पाठक

दिल्ली में एक तरफ आम आदमी पार्टी है, जो वर्ष 2013, 2015 और 2020 के बाद अब वर्ष 2025 में लगातार चौथी बार दिल्ली में सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में विधानसभा की सभी 70 सीटों पर 5 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। बुधवार, 5 फरवरी को दिल्ली के डेढ़ करोड़ से ज्यादा मतदाता, अपने–अपने वोट के जरिए दिल्ली की अगली सरकार को चुनेंगे। यह फैसला करेंगे कि वह दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री किस राजनीतिक दल से बनाने जा रहा है। दिल्ली के मतदाताओं ने किसे जनादेश दिया है,यह खुलासा तो 8 फरवरी को मतगणना के बाद ही हो पाएगा। लेकिन एक बात बिल्कुल साफ है कि देश की राजधानी दिल्ली से निकले जनादेश की गूंज बहुत दूर तक सुनाई देगी। कहने को तो, यह भी कहा जा सकता है कि दिल्ली एक पूर्ण राज्य भी नहीं है और केवल 70 विधायकों वाली विधानसभा का असर राष्ट्रीय राजनीति पर भला कैसे पड़ सकता है लेकिन यह तर्क अपने आप में पूरी तरह से गलत और बेमानी है। दिल्ली में वैसे तो मुख्य मुकाबला आम आदमी पार्टी बनाम भारतीय जनता पार्टी का ही माना जा रहा है। लेकिन अपने राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही कांग्रेस ने कई विधानसभा सीटों पर चुनावी लड़ाई को त्रिकोणीय बना दिया है। इंडिया गठबंधन के बिखरने की आशंका से डरे हुए कांग्रेस आलाकमान ने चुनाव प्रचार अभियान के शुरुआती दौर में थोड़ी हिचक जरूर दिखाई। लेकिन बाद में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से लेकर कांग्रेस के तमाम बड़े नेताओं ने जिस अंदाज में चुनावी रैलियां की, रोड शो किए,उसने दिल्ली की चुनावी लड़ाई को काफी दिलचस्प बना दिया है। दिल्ली में एक तरफ आम आदमी पार्टी है, जो वर्ष 2013, 2015 और 2020 के बाद अब वर्ष 2025 में लगातार चौथी बार दिल्ली में सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ रही है। यह चुनाव आम आदमी पार्टी से ज्यादा उनके नेता अरविंद केजरीवाल के लिए महत्वपूर्ण हो गया है। क्योंकि दिल्ली की हार अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व पर प्रश्नचिन्ह खड़े कर देगा और पार्टी के अंदर भी कई तरह के सवाल उठने लगेंगे। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा है जो देश की राजधानी दिल्ली में 27 साल के अपने वनवास को खत्म करना चाहती है। इससे पहले भाजपा दिल्ली में 1993 में सत्ता में आई थी। वर्ष 1993 में चुनाव जीतकर भाजपा ने मदन लाल खुराना को अपना मुख्यमंत्री बनाया था। जैन हवाला डायरी में नाम आने के कारण, खुराना को इस्तीफा देना पड़ा और साहिब सिंह वर्मा दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। लेकिन

चुनाव से कुछ महीने पहले भाजपा आलाकमान ने उन्हें हटाकर सुषमा स्वराज को दिल्ली का मुख्यमंत्री बना दिया। हालांकि वह भी दिल्ली में भाजपा को जीत नहीं दिला पाई और 1998 में कांग्रेस से हार कर पार्टी को सत्ता गंवानी पड़ गई। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को पहले कांग्रेस ने लगातार तीन बार हराया और उसके बाद आप भी लगातार 3 चुनाव हरा चुकी है। दिल्ली की चुनावी रेस में तीसरे नंबर की पार्टी माने जाने वाली कांग्रेस इस बार सरकार बनाने से ज्यादा किंग मेकर के रूप में उभरना चाहती है। पिछले दो विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाने वाली कांग्रेस के लिए दिल्ली का यह चुनाव राजनीतिक अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण चुनाव माना जा रहा है। अगर केजरीवाल लगातार चौथी बार विधानसभा का चुनाव जीत जाते हैं तो फिर वे राष्ट्रीय नेता के तौर पर देश की राजनीति में स्थापित हो जाएंगे। उनकी मजबूती राष्ट्रीय स्तर पर सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन के साथ ही विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए भी खतरे की घंटी होगी। वहीं अगर कांग्रेस इस चुनाव में किंग मेकर के रूप में उभर कर दिल्ली की सत्ता से आम आदमी पार्टी को बाहर कर देती है तो राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस मजबूत होकर उभरेगी। उसके बाद मजबूरी में आम आदमी पार्टी को दिल्ली सहित कई राज्यों में झुककर कांग्रेस से समझौता करना पड़ेगा।

दिल्ली के नतीजे बताएंगे कि कांग्रेस अकेली चलेगी या फिर अनिर्णय में फंसी रहेगी

शकील अख्तर

राहुल ने दिल्ली चुनाव में समां बांध दिया। कांग्रेस जो दिल्ली में बिल्कुल खतम हो गई थी उसमें वापस जान फूंक दी। अगर इस चुनाव में राहुल इतने तेवर के साथ सामने नहीं आते तो कांग्रेस की स्थिति दिल्ली में भी बिहार–यूपी की तरह हो जाती। मगर सही टाइम पर राहुल ने दिल्ली का फैसला लिया और मोदी की तरह केजरीवाल पर भी उतने ही कड़े प्रहार किए या यह भी कह सकते हैं कि कांग्रेस की दिल्ली में जमीन आम आदमी पार्टी ने छीनी थी इसलिए उस पर ज्यादा फोकस किया। ज्यादा तगड़े वार! शायद सबसे बड़ा हमला वह था जब उन्होंने कहा कि– विपक्षी नेताओं में केजरीवाल सबसे ज्यादा मोदी से डरते हैं। राजनीति में डरना सबसे बड़ी कमी मानी जाती है। है तो फिल्म का डायलाग मगर राजनीति में बिल्कुल सही है कि जो डर गया समझो वह मर गया। राहुल ने केजरीवाल के राजनीतिक खात्मे की घोषणा कर दी। और यह कांग्रेस के लिए सबसे जरूरी है। राहुल ने बिल्कुल सही कहा कि कांग्रेस और भाजपा में विचारधारा की लड़ाई चल रही थी बीच में केजरीवाल आ गए। खंबे पर चढ़ गए। मगर फिर धड़ाम से गिरे भी। कांग्रेस के लिए यह बहुत जरूरी है। मोदी से आमने–सामने की लड़ाई कांग्रेस के लिए मुश्किल नहीं मगर बहुत सारे आवरण चढ़ाए केजरीवाल से लड़ना इसके लिए शुरू से अनिश्चितता का मामला रहा। 2013 में उसके समर्थन से ही केजरीवाल पहली बार मुख्यमंत्री बने। और फिर 2015 और 2020 में केजरीवाल ने कांग्रेस को शून्य पर ला दिया। वोट परसेन्टेज 4.3 पर। केवल 11 साल में यह हाल हो गया। जबकि यूपी बिहार में कांग्रेस का बुरा हाल हुआ मगर शून्य पर वह कभी नहीं पहुंची। यूपी में पिछले विधानसभा चुनाव 2022 में वह सबसे कम केवल दो सीटों पर रह गई और बिहार में 2010 के विधानसभा चुनाव में वह सबसे कम केवल 4 सीटों पर रह गई थी। तीनों जगह दिल्ली, बिहार, यूपी इस बात में समानता है कि कांग्रेस कहीं भी एक निर्णय नहीं ले सकी। कभी साथ में कभी अकेले चुनाव लड़ती रही। यूपी में 1989 के बाद से वह सत्ता से बाहर है। और बिहार 1990 के बाद से। मतलब करीब 35– 36 साल से। दिल्ली में भी 11 साल हो गए। मगर अब दिल्ली में कांग्रेस जागी है। कितना कर पाएगी यह तो 8 फरवरी को पता चलेगा। लेकिन दिल्ली में वापस खड़ी हो गई यह अभी से दिखने लगा है। यहीं से कांग्रेस को कोई बड़ा नीतिगत फैसला लेना होगा। राष्ट्रीय स्तर पर माना जाता है कि कांग्रेस ही भाजपा से लड़ रही है। मगर यथार्थ में होता यह है कि कई बड़े राज्यों में कांग्रेस दूसरे विपक्षी दलों के मुकाबले बहुत कमजोर हो जाती है। यूपी, बिहार, दिल्ली का तो अभी बताया ही मगर जम्मू–कश्मीर, झारखंड, पंजाब, महाराष्ट्र के अलावा दक्षिण और नार्थ ईस्ट के राज्यों में भी यही हालत हो गई है। कांग्रेस तीसरे–चौथे नंबर की पार्टी बन गई है। यह तब है जब उसके पास इस समय देश का सबसे निडर, मेहनती और आम जनता से सबसे ज्यादा मिलने जुलने वाला नेता है। सच तो यह है कि कई बार यह कहा जाता है कि देश के लोग राहुल को नहीं पहचान पा रहे। सही बात है। चमक–दमक के इस झालर, पन्नी के दौर में असली मेटल को लोग नहीं पहचान पा रहे। मगर लोगों से शिकायत तो तब बनती है जब खुद उनकी पार्टी उन्हें सही से पहचान लेती! मुख्य बात तो यही है कि खुद कांग्रेस के नेता राहुल को नहीं पहचान पाए। उनके लिए राहुल भी एक चेहरा तो हैं मगर यह नहीं समझ पाए कि एक ऐसा शख्स उनके पास है जो कभी भी बाजी पलट सकता है। उनको सत्ता में ला सकता है। मुकाबला बहुत मुश्किल है। मोदी ने देश में एक ऐसा माहौल बना दिया है कि जनता पर किसी बात का असर नहीं हो रहा है। अभी कुंभ में भगदड़ में मारे गए लोगों की खबर छुपाई गई। अखिलेश यादव ने लोकसभा में बजट से पहले कुंभ में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने की मांग करते हुए कहा कि हमें बजट के आंकड़ें नहीं लापता लोगों के आंकड़े चाहिए। कितने लोग मारे गए। कितने घायल हैं और कितनों का पता नहीं है। विपक्षी दलों ने लोकसभा में जोरदार मांग उठाई, वाक आउट तक कर गए मगर सरकार निश्चिंत बनी रही। उसे लगता है विपक्ष आवाज उठाता रहे जनता नहीं सुनेगी। जनता को नफरत के ऐसे नशे में डाल दिया है कि वह कुछ भी नहीं सुनती, सोचती। बस उसे नफरती बातों से ही खुशी मिलती रहती है। कोई भी बड़ी से बड़ी घटना हो जाए जनता का नशा टूटता नहीं है। नोटबंदी, किसानों का आंदोलन, कोविड में बिना इलाज लोगों का मरना, चिता तक का इंतजाम नहीं, पुलों से लाशों का नीचे फेंकना, लॉकडाउन, लाखों मजदूरों का पैदल जाना, चीन द्वारा घुस कर हमारे आदमियों को मारना, फिर वापस न जाना, प्रधानमंत्री का इस बात को भी नकार देना, कहना न कोई घुसा है न कोई है, मगर किसी बात का असर नहीं होना। ऐसे में राहुल का बिना हिम्मत हारे लगातार लड़ते रहना ही एक मात्र आशा की किरण रही। यहीं यह सवाल पैदा होता है कि क्या कांग्रेसियों को यह नहीं दिखता? या वह अपनी आदत से मजबूर हैं कि राहुल को जो करना है करें मगर हम तो उसी तरह गुटबाजी, काम न करना, अपने स्वार्थों में लिप्त रहना में लगे रहेंगे। जी–23 सिर्फ और सिर्फ राहुल के खिलाफ ही बनाया गया था। 2019 में उन्हीं से अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिलवाया गया था। राजस्थान चुनाव पूरी तरह गुटबाजी की वजह से हारा था। और फिर हरियाणा भी ऐसे ही हाथ में आया हुआ गंवाया गया था। लोग बाकी राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्रकी हार को भी इसी क्रम में खड़ा करने लगते हैं। मगर इन राज्यों में कारण अलग थे। राजस्थान और हरियाणा शुद्ध रूप से सिर्फ गंदी गुटबाजी की वजह हारे गए थे। अगर कांग्रेस हरियाणा जो कि वह जीत रही थी जीत जाती तो क्या महाराष्ट्र के यह नतीजे आते? कांग्रेस हरियाणा जीत जाती तो देश का माहौल ही कुछ और होता। 8 महीने पहले 240 पर रोक कर जो मोदी को झटका दिया था उसका असर जारी रहता। प्रधानमंत्री मोदी ने जो फिर से आत्मविश्वास पा लिया है वह नहीं होता। पता नहीं कांग्रेस समझेगी या नहीं! अभी तक के कांग्रेसियों का इतिहास तो यह बताता है कि कांग्रेसी नेता खुद से कभी नहीं समझते। उन्हें तो डंडे के बल पर समझाना पड़ता है। राहुल ने अभी वंचित समाज के दिल्ली सम्मेलन में यह माना कि कि कांग्रेस वह नहीं रह गई जो इन्दिरा गांधी के समय थी। सही बात है। राहुल को यहीं से आगे लाइन लेना चाहिए कि इन्दिरा गांधी कैसी सख्ती से पार्टी को डील करती थीं। जो वे कह रहे थे कि पिछले कुछ सालों में पार्टी कमजोर हो गई तो उसका कारण ही यही है कि नेतृत्व ने सख्त निर्णय लेना छोड़ दिए। दिल्ली चुनाव के बाद राहुल को पूरा समय पार्टी संगठन के पुनर्निर्माण में लगाना चाहिए। जाने कितने साल हो गए कुछ लोग पदों पर बैठे हुए हैं। उनका कमरा बदल दिया जाता है। जिम्मेदारी बदल दी जाती है। मगर पद बरकरार रहता है। कुर्सियों से चिपके हैं। इनकी क्या उपयोगिता है? इनके बदले और लोगों को मौका देना चाहिए। साल 2025 कांग्रेस ने संगठन का साल घोषित किया है। अगर सही मायनों में हो गया तो पार्टी की तकदीर बदल सकती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

डॉक्टरों की बढ़ती आत्महत्याएंः चिकित्सकों को चिकित्सा की जरूरत

अमरपाल सिंह वर्मा

लोगों की सेवा एवं उनका इलाज करने के लिए जुटे रहने वाले डॉक्टर गंभीर संकट के दौर से गुजर रहे हैं। हाल ही में ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित एक शोध रिपोर्ट चिंतित कर देने वाली है। इस रिपोर्ट में डॉक्टरों और मेडिकल छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य स्थिति पर गहरी चिंता जताई गई है। इसमें यह तथ्य सामने आया है कि मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों और डॉक्टरों में आत्महत्या का खतरा आम लोगों की तुलना में कहीं अधिक है। महिला डॉक्टरों पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ रहा है। तनाव की वजह से आत्महत्या का सबसे अधिक खतरा महिला डॉक्टरों को है। इस शोध के अनुसार महिला डॉक्टरों में आत्महत्या का खतरा आम लोगों की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है। भारत में किए गए अध्ययनों से भी यह स्पष्ट हुआ है कि 40 प्रतिशत महिला डॉक्टर अत्यधिक तनाव में काम करती हैं। इस तनाव का सीधा संबंध मेंटल डिस्ऑर्डर और आत्महत्या के विचारों से है। इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री में प्रकाशित एक शोध से भारत के डॉक्टरों के लिहाज से भी चिंताजनक तस्वीर उभरती है। इस जर्नल के आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक दशक में भारत में 358 डॉक्टरों और मेडिकल छात्रों ने आत्महत्या की है, जिनमें से 70 प्रतिशत की उम्र मात्र 30 से 40 वर्ष के बीच थी। यह आंकड़ा केवल एक नंबर नहीं है, बल्कि यह समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है। जब देश के युवा और प्रतिभाशाली डॉक्टर तनाव और मानसिक दबाव के कारण अपनी जान लेने पर मजबूर हो रहे हैं तो यकीनन यह हमारे हेल्थ केयर सिस्टम और समाज के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। भारत के अध्ययनों से पता चलता है कि 40 प्रतिशत महिला डॉक्टरों को अत्यधिक तनाव की हालातों में काम करना पड़ रहा है। बढ़ता मानसिक असंतुलन और आत्महत्या के विचार इसके कारण हैं। डॉक्टर एमबीबीएस के बाद विशेषज्ञ बनने के लिए पीजी की तैयारी में जुट जाते हैं। एक तरफ काम का दबाव होता है, दूसरी ओर पढ़ाई की चिंता सताती है। इससे उपजे तनाव में संतुलन रखना बहुत कठिन होता है। शायद इसी का परिणाम है कि पिछले पांच सालों में 1270 मेडिकल छात्रों ने पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। इनमें 153 एमबीबीएस तथा 1117 पीजी में एडमिशन लेने वाले छात्र थे, जो एमबीबीएस के बाद विशेषज्ञ डॉक्टर बनने की चाह लिए हुए थे। हमारे देश में आत्महत्या करने वाली महिला डॉक्टरों में सर्वाधिक 22.4 प्रतिशत एनेस्थीसिया विभाग (निश्चेतना) की एवं 16 प्रतिशत स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की थीं। इन विभागों के डॉक्टरों के पास ही सर्वाधिक हाई–रिस्क वाले मरीज आते हैं, इसलिए उन पर काम का दबाव एवं तनाव ज्यादा होता है। डॉक्टरों की भारी कमी वाले हमारे देश में बन रहे ये हालात बहुत बुरे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी की वजह से लोगों को इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर भागना पड़ रहा है। केंद्र सरकार का दावा है कि देश में डॉक्टर–जनसंख्या अनुपात विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से निर्धारित मानदंडों से बेहतर है, मगर स्वास्थ्य मंत्रालय के पिछले साल के आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण भारत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। मंत्रालय द्वारा जारी भारत की स्वास्थ्य गतिशीलता (बुनियादी ढांचा और मानव संसाधन) 2022–23 रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में सीएचसी में जरूरी 21 हजार 964 सर्जन, प्रसूतिध्स्त्री रोग विशेषज्ञ, फिजिशियन और बाल रोग विशेषज्ञों के मुकाबले भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में 17 हजार 551 विशेषज्ञों की कमी है। सीनियर डॉक्टरों की मानें तो मेडिकल छात्रों और डॉक्टरों पर अत्यधिक दबाव उनके लंबे और कठोर प्रशिक्षण, भारी कार्यभार, सामाजिक अपेक्षाओं और मानसिक स्वास्थ्य सहायता की कमी से उत्पन्न होता है। महिला डॉक्टरों को अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ–साथ पारिवारिक जिम्मेदारियों का भी संतुलन बनाना पड़ता है, जिससे उनकी स्थिति और जटिल हो जाती है। अस्पतालों में तोड़फोड़, डॉक्टरों से मारपीट और अभद्र व्यवहार जैसी घटनाएं भी इस स्थिति के लिए कम जिम्मेदार नहीं हैं। वर्ष 2022 में राजस्थान के लालसोट में इलाज के दौरान एक प्रसूता की मौत होने पर धरने–प्रदर्शन और पुलिस द्वारा अपने खिलाफ मुकदमा दर्ज करने से परेशान होकर सुसाइड कर लेने वाली युवा चिकित्सक डॉ. अर्चना शर्मा की मौत आज भी झकझोरती है। डॉ. अर्चना ने सुसाइड नोट में लिखा था कि मैंने कोई गलती नहीं की है, किसी को नहीं मारा। प्रसवोत्तर रक्तस्राव (पीपीएच) एक कॉम्प्लिकेशन है, इसके लिए डॉक्टरों को प्रताड़ित करना बंद करो। हाल में भरतपुर के रेडियोलॉजिस्ट डॉ. राजकुमार चौधरी ने आगरा में जाकर सुसाइड कर ली है। पूरे देश में इस तरह के मामले आते रहते हैं। यह समस्या बहुत बड़ी है जिसका त्वरित समाधान होना चाहिए, लेकिन यह तभी हो सकता है, जब समस्या की जड़ों तक पहुंचकर असलियत की थाह ली जाए। यह जरूरी है कि महिला डॉक्टरों के दृष्टिगत हेल्थ केयर सिस्टम में लिंग संवेदनशील रणनीतियां प्रभावी ढंग से लागू की जाएं।

खूबसूरत वादियों के बीच दोस्तों संग छुट्टियां मनाती कैमरे में कैद हुईं मनीषा कोइराला

अभिनेत्री मनीषा कोइराला दोस्तों के साथ खूबसूरत वादियों में छुट्टियां मना रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर प्रशंसकों को अपनी छुट्टियों के साथ प्राकृतिक सुंदरता की झलक दिखाई। काम से जुड़े पोस्ट हो या फैमिली इवेंट, अभिनेत्री प्रशंसकों के साथ सोशल मीडिया के जरिए जुड़ी रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक लेटेस्ट वीडियो मोंटाज शेयर करते हुए मनीषा कोइराला ने कैप्शन में लिखा, "हमारा शनिवार। उसके बाद उन्होंने हैश में लिखा, मैं प्रकृति प्रेमी हूं।" शेयर किए गए वीडियो में मनीषा दोस्तों के साथ खूब मस्ती करती और प्रकृति के सुंदर नजारों को निहारती नजर आईं। वीडियो के साथ अभिनेत्री ने कनाडाई गायिका सेलीन डियोन के गाने आई एम अलाइव को भी जोड़ा।

अभिनेत्री ने वीडियो मोंटाज के अलावा इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर भी दोस्तों के साथ कई तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए, जिसमें वह पार्टी करती नजर आईं। अभिनेत्री प्रकृति प्रेमी हैं और इससे जुड़े पोस्ट वह अक्सर शेयर करती रहती हैं। कभी खुले आसमान तो कभी जंगलों, नदियों के लिए वह अपनी भावनाएं व्यक्त करती रहती हैं। कोइराला हाल ही में नेपाल के पहाड़ों पर हाइकिंग (पैदल चलना) भी की थीं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी यात्रा की तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें वह नेपाल के घान्द्रुक इलाके में पैदल चलती नजर आई थीं। इसके साथ ही अभिनेत्री घान्द्रुक संग्रहालय भी पहुंची थीं और गुरुंग लोगों के इतिहास और संस्कृति के बारे में जानकारी ली थी। इसके साथ ही अभिनेत्री ने घान्द्रुक आने के लिए प्रशंसकों से भी आग्रह किया। इससे पहले, मनीषा ने नेपाल की स्थानीय संस्कृति, भोजन और शिल्प कौशल की भी सराहना की थी। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर नेपाल यात्रा की और वहां के पारंपरिक हस्तनिर्मित उत्पादों और स्थानीय भोजन की तस्वीरें साझा कीं। मनीषा ने एक कार्यक्रम में भी भाग लिया, जहां उन्होंने माइक संभाला और स्थानीय उद्यमियों की सराहना की थी।

> "अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी यात्रा की तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें वह नेपाल के घान्द्रुक इलाके में पैदल चलती नजर आई थीं। इसके साथ ही अभिनेत्री घान्द्रुक संग्रहालय भी पहुंची थीं और गुरुंग लोगों के इतिहास और संस्कृति के बारे में जानकारी ली थी। इसके साथ ही अभिनेत्री ने घान्द्रुक आने के लिए प्रशंसकों से भी आग्रह किया।

डीपनेक ड्रेस में जेनिफर लोपेज के साफ दिखे क्लीवेज, प्री-ग्रैमी पार्टी में फ्लॉन्ट किया टोन्ड फिगर

67वें ग्रैमी अवार्ड्स में जेनिफर लोपेज का दिलकश अंदाज देखने को मिला। जेनिफर लोपेज ने शनिवार शाम को एक ग्लैमरस प्री–ग्रैमीज पार्टी के लिए एक बेहद सेक्सी लापोइंट गाउन पहना। उनका लुक पूरी तरह से सुलट्री ग्लैम से भरा था और उनके फैंस उनकी इन तस्वीरों से नजरें नहीं हटा पा रहे। लुक की बात करें तो जेनिफर ने फुल–लेंथ ब्राउन लेटेक्स बैकलस ड्रेस को चुना जो अपने आप में एक मास्टरपीस थी। यह शानदार ड्रेस स्ंचवपदजम ब्रांड की थी। उनकी ये ड्रेस डीपनेक भी थी जिसमें उनके क्लीवेज साफ नजर आ रहे थे। एक्सेसरीज की बात करें तो जे.लो ने एक स्टडेड डायमंड नेकलेस चुना, जिसमें एक स्क्वायर–शेप डायमंड पेंडेंट था। उन्होंने स्टेटमेंट डायमंड ईयररिंग्स और कोकटेल रिंग्स भी पहनीं जिससे उनका लुक और एलिगेंट लग रहा था। मेकअप के लिए उन्होंने पूरे लुक को ब्राउन कलर पैलेट में रखा। उन्होंने स्किन को फ्लॉलेस, ड्यूई बेस के साथ ग्लोइंग बनाया। परफेक्ट टैन्ड लुक के लिए उन्होंने ब्रॉन्जर का इस्तेमाल किया और हल्का सा पिंक ब्लश लगाया। आंखों को डिफाइन करने के लिए उन्होंने ब्राउन स्मोकी आई, मस्कारा और आईलाइनर का इस्तेमाल किया। उन्होंने अपनी आंखों के इनर कॉर्नर में शिमरी आईशैडो भी लगाया। ग्लॉसी ब्राउन लिपशेड और स्लीक सेंटर–पार्टेड बन ने उनके पूरे लुक को कंप्लीट कर दिया। जेनिफर ने इस लुक को एक ब्राउन फर कोट के साथ पेयर किया, जो न केवल ड्रामेटिक था, बल्कि ठंडी हवाओं से बचने के लिए भी परफेक्ट चॉइस साबित हुआ। फैंस उनके लुक को काफी पसंद कर रहे हैं।

माथे पर त्रिपुंड तिलक..गले में रुद्राक्ष माला..कन्नप्पा से प्रभास का फर्स्ट लुक आउट, एक्टर के पौराणिक रूप ने जीता सबका दिल

सुपरस्टार प्रभास ने 'कल्कि 2898 एडी' में अपनी अदाकारी से लोगों का खूब दिल जीता और इस फिल्म की जबरदस्त सफलता के बाद अब वह एक और दिलचस्प किरदार में सिल्वर स्क्रीन पर नजर आने वाले हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म कन्नप्पा से मेकर्स ने उनका पहला लुक रिवील कर दिया है। इस फिल्म में प्रभास रुद्र अवतार में दिख रहे हैं, जो उनके अब तक के किरदारों से काफी अलग है। एक्टर का ये नया लुक देख उनके फैंस का एक्साइटमेंट लैवल काफी बढ़ गया है। कन्नप्पा से अपना फर्स्ट लुक प्रभास ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है और पोस्ट के कैप्शन में लिखा, दिव्य संरक्षक 'रुद्र'ओमः।" इस लुक में वह लंबे बालों के साथ, माथे पर त्रिपुंड और गले में रुद्राक्ष की माला पहने नजर आ रहे हैं। उनका यह रूप एकदम पौराणिक और भव्य लग रहा है, जो उनके फैंस को बेहद आकर्षित कर रहा है। फैंस कमेंट कर उनके इस पोस्ट पर खूब प्रतिक्रिया दे रहे हैं और उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। बता दें, 'कन्नप्पा' एक अपकमिंग भारतीय तेलुगु भाषा की पौराणिक फिल्म है, जिसे मुकेश कुमार सिंह द्वारा निर्देशित किया जा रहा है और मोहन बाबू द्वारा निर्मित किया जा रहा है। यह फिल्म हिंदू भगवान शिव के भक्त कन्नप्पा की कथा पर आधारित होगी। इस फिल्म में मुख्य भूमिका विष्णु मांचू निभाएंगे। इसके साथ ही फिल्म में मोहन बाबू, आर. सरथकुमार, अर्पित रांका, कौशल मंदा, राहुल माधव, देवराज, मुकेश ऋषि, ब्रह्मानंदम, रघु बाबू, प्रीति मुकुंदन और मधु मोहनलाल जैसे कलाकार भी सपोर्टिंग रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अद्वैत चंदन से लेकर किकू शारदा तक, 'लवयापा' की खास स्क्रीनिंग में दिखी सितारों की मौजूदगी!

जुनैद खान और खुशी कपूर की पहली फिल्म लवयापा इस हफ्ते सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म का ट्रेलर और गाने पहले ही दर्शकों का दिल जीत चुके हैं, जिससे फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। इसी बीच, फिल्म की टीम ने मुंबई में एक स्पेशल स्क्रीनिंग आयोजित की, जिसमें कास्ट और क्रू के साथ

कई जानी–मानी हस्तियां शामिल हुईं। इस खास मौके पर निर्देशक अद्वैत चंदन, निर्माता मधु मंटेना और उनकी पत्नी इरा, सृष्टि बहल, जुनैद खान, खुशी कपूर, किकू शारदा, गायक सुयश राय और अभिनेत्री जारा खान नजर आए। सभी के बीच फिल्म को लेकर जबरदस्त जोश और एक्साइटमेंट देखने को मिला। लवयापा एक मॉडर्न रोमांटिक फिल्म है, जो दर्शकों को एक खूबसूरत प्रेम कहानी से रूबरू करवाएगी। फिल्म में शानदार अभिनय, शानदार संगीत और बेहतरीन विजुअल्स का मेल देखने को मिलेगा। यह फिल्म प्यार की हर भावना को समेटे हुए है और हर उम्र के दर्शकों को पसंद आने वाली है। तो तैयार हो जाइए लवयापा की इस रोमांचक प्रेम कहानी के लिए! फिल्म 7 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है, जिसे बिल्कुल मिस नहीं करना चाहिए!

कार्तिक आर्यन की आशिकी 3 की शूटिंग आखिरकार शुरू होने वाली है, जानिए कब और कहा होगी शूटिंग

कार्तिक आर्यन की आशिकी 3 की घोषणा फिल्म निर्माता अनुराग बसु ने की थी और तब से प्रशंसक यह जानने के लिए उत्साहित हैं कि क्लासिक फ्रैंचाइज़ की नई किस्त कैसी होगी। लंबे इंतजार और उच्च प्रत्याशा के बाद, आखिरकार फिल्म पर एक अपडेट आया है। अनुराग बसु ने हाल ही में ।छप् के साथ एक साक्षात्कार के दौरान एक अपडेट साझा किया। उन्होंने कहा, ष्हम अगले महीने शूटिंग शुरू करेंगे,ष्और पुष्टि की कि वर्तमान में फिल्म प्री–प्रोडक्शन चरण में है। आगामी फिल्म पर एक बड़ा अपडेट देते हुए, अनुराग ने खुलासा किया कि फिल्म अपने प्री–प्रोडक्शन चरण में है, जिसकी शूटिंग मार्च में शुरू होने वाली है। अनुराग ने एएनआई को बताया ष्हमने अभी तक शूटिंग शुरू नहीं की है। हम अगले महीने शूटिंग शुरू करेंगे।ष फिल्म का निर्माण विशेष फिल्म्स और टी–सीरीज ने संयुक्त रूप से किया है। मुख्य भूमिका वाली महिला के बारे में विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। आशिकी 3 अनुराग और कार्तिक के बीच पहली ऑन–स्क्रीन सहयोग है। मूल 1990 की फिल्म का निर्देशन महेश भट्ट ने किया था। इसमें राहुल रॉय और अनु अग्रवाल मुख्य भूमिका में थे। 2013 में मोहित सूरी ने प्रेम कथा आशिकी 2 को पुनर्जीवित किया जिसमें श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर मुख्य भूमिका में थे। इससे पहले जनवरी 2025 में ऐसी खबरें आई थीं कि त्रिप्ति डिमरी ने इस प्रोजेक्ट से खुद को अलग कर लिया था क्योंकि निर्माताओं को लगा कि वह इस भूमिका के लिए उपयुक्त नहीं हैं। एनिमल में उनके बोल्ड दृश्यों को इसका कारण बताया गया था, जिसमें दावा किया गया था कि इन दृश्यों ने उन्हें आशिकी 3 के पारंपरिक मासूमियत और पवित्रता के चित्रण के लिए अनुपयुक्त बना दिया था। हालांकि, अनुराग बसु ने मिड–डे से कहा, ष्यह सच नहीं है। त्रिप्ति भी यह जानती हैं। इस बीच, अनुराग अपनी अगली फिल्म मेट्रो इन डिनो की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। एंथोलॉजी फिल्म में आदित्य रॉय कपूर के साथ सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी और कोंकणा सेन शर्मा मुख्य भूमिकाओं में हैं।

आमिर खान ने देखा आशीष चंचलानी के डायरेक्टोरियल डेब्यू प्रोजेक्ट का पहला लुक

डिजिटल एंटरटेनमेंट की दुनिया में आशीष चंचलानी ने अपनी हंसी से भरी और दिलचस्प कंटेंट के साथ भारत के डिजिटल स्टार का खिताब सही मायनों में हासिल किया है। उनके कॉमिक स्किट्स और एंगेजिंग वीडियोज हमेशा से दर्शकों से जुड़े रहे हैं, लेकिन अब वे निर्देशक के तौर पर नई शुरुआत करने जा रहे हैं। इस शानदार माइलस्टोन को और खास बनाते हुए, हाल ही में आमिर खान ने उनके डेब्यू डायरेक्टोरियल प्रोजेक्ट का एक्सक्लूसिव फर्स्ट लुक देखा। आशीष चंचलानी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे आमिर खान को अपने डायरेक्टोरियल डेब्यू का पहला लुक दिखाते हुए नजर आ रहे हैं। आमिर का रिएक्शन इस वीडियो में शानदार है, जिसमें वो प्रीव्यू देखकर बेहद खुश नजर आ रहे हैं। इस खास पल को शेयर करते हुए आशीष ने कैप्शन में लिखा है। आशीष चंचलानी के डायरेक्टोरियल डेब्यू की बात करें, तो वह सिर्फ सीरीज को डायरेक्ट ही नहीं कर रहे, बल्कि इसमें एक्टिंग भी करेंगे। इसके अलावा, उन्होंने इसका स्क्रिप्ट भी लिखा है और प्रोड्यूस भी कर रहे हैं। अब सभी की निगाहें आशीष पर टिकी हैं, क्योंकि दर्शक उनके पहले डायरेक्टोरियल प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

वैलेंटाइन वीक को यादगार मनाने के लिए, घर पर बनाएं चॉकलेट कप केक, रिश्तों में घुलेगी मिठास

फरवरी का महीना प्यार का महीना कहा जाता है। क्योंकि फरवरी में वैलेंटाइन डे आता है। वैलेंटाइन वीक से ही लव बड्र्स अपनी–अपनी तरह से हफ्ते भर चलने वाली परीक्षा को पास करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। प्यार के इस खास पर्व पर अपने रिश्ते में मिठास का प्यार डलना चाहते हैं, तो आप घर पर चॉकलेट कप केक जरुर बनाएं। इसे बनाना काफी आसान है, जो इसको एक बार खाएगा, इसको बार–बार खाना पसंद करेगा। आइए आपको वैलेंटाइन स्पेशल टेस्टी चॉकलेट कप केक की रेसिपी बताते हैं।

चॉकलेट कप केक बनाने के लिए सामग्री

– 1/2 कटोरी कंडेन्स्ड मिल्क
– 2 चम्मच चीनी का बूरा
– 1/4 चम्मच चीनी पाउडर
– 1/2 चम्मच बेकिंग सोडा
– 1/2 चम्मच वनिला एसेंस
– 1 चम्मच कोको पाउडर
– 1/4 कटोरी रिफाइंड ऑयल
– 1 कटोरी मैदा
– 1/2 गिलास दूध
– 1 चम्मच आइसिंग शुगर सिरप
– 1 चम्मच स्प्रिंकल्स

चॉकलेट कप केक बनाने की विधि

सबसे पहले आप एक बर्तन में कंडेन्स्ड मिल्क डालकार उसमें चीनी का बूरा, बेकिंग सोडा, वनिला एसेंस और कोको पाउडर डालकर अच्छे से मिलाएं। फिर आप इसमें रिफाइंड ऑयल, मैजा और दूध डालकर अच्छे से सभी चीजों को मिला लें। अब कप केक के तैयार बैटर को मफिन मोल्ड में डालकर 200 डिग्री सेंटीग्रेड पर 18 से 20 मिनट तक बेक करें। फिर आप कटर से मफिन को काटकर ऊपर से आइसिंग शुगर और स्प्रिंकल्स से सजा लें और आपका स्वादिष्ट वैलेंटाइन स्पेशल चॉकलेट कप केक तैयार है।

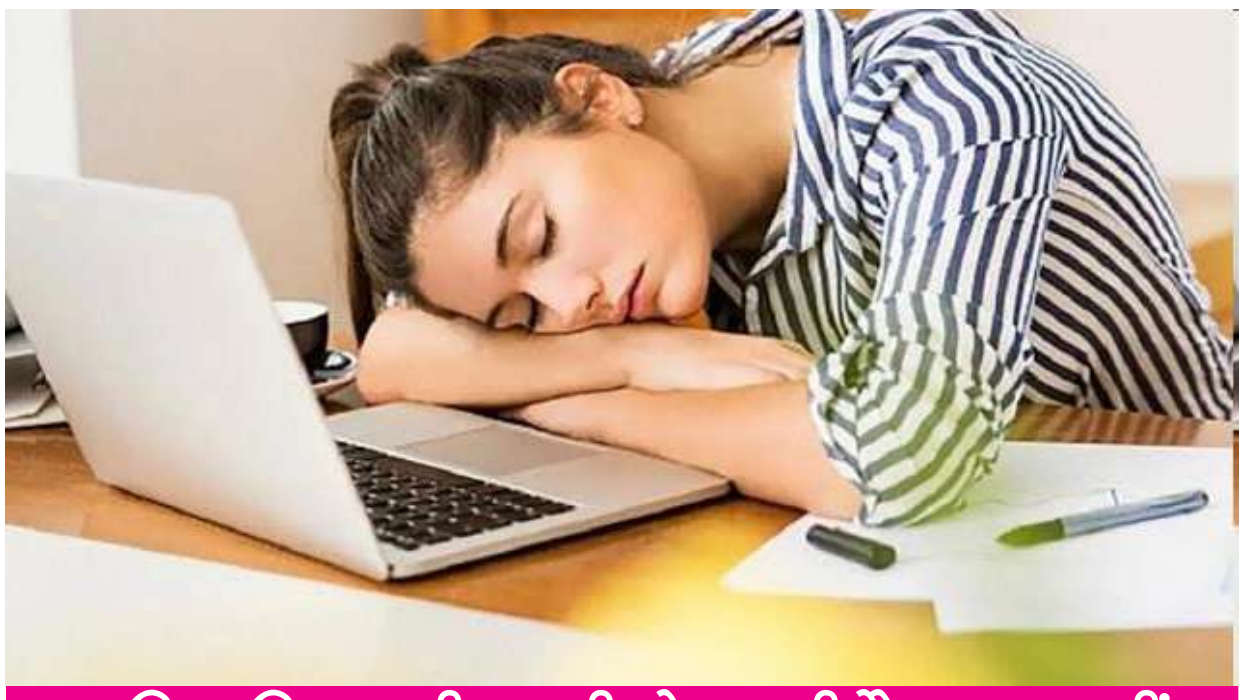

इन विटामिन की कमी से आती है ज्यादा नींद, रात भर सोने के बाद भी रहती है थकावट

हमारे शरीर को स्वस्थ रहने के लिए सही मात्रा में पोषक तत्वों की जरूरत होती है। विटामिन्स इन पोषक तत्वों में से एक हैं, जो शरीर की कई तरह मदद करते हैं। जब शरीर में विटामिन की कमी होती है, तो कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जैसे कि लगातार नींद आना, आलस का महसूस होना और दिनभर थकावट की समस्या। आइए जानें कि कौन से विटामिन की कमी से ये समस्याएं हो सकती हैं और कैसे इससे बचा जा सकता है।

विटामिन डी की कमी

विटामिन डी की कमी सबसे ज्यादा आलस और थकावट का कारण बन सकती है। विटामिन डी हमारी हड्डियों, मांसपेशियों और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। इसके बिना शरीर को पर्याप्त ऊर्जा नहीं मिल पाती, जिससे हम थका हुआ महसूस करते हैं और हमें सोने की इच्छा अधिक होती है।

लक्षणः ज्यादा सोने की इच्छा, नींद के बाद भी थकान महसूस होना, हड्डियों और मांसपेशियों में दर्द

उपायः विटामिन डी प्राप्त करने के लिए सूर्य की रोशनी में समय बिताना बहुत जरूरी है। इसके अलावा, अंडे, दूध, मछली और फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों का सेवन करें।

विटामिन बी12 की कमी

विटामिन बी12 शरीर के ऊर्जा स्तर को बनाए रखने में मदद करता है। इसकी कमी से थकान, आलस और मानसिक कमजोरी का अनुभव हो सकता है। विटामिन बी12 का मुख्य कार्य रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करना है, जिनकी कमी से एनर्जी लेवल डाउन हो जाते हैं।

लक्षणः लगातार थकान और आलस, ध्यान केंद्रित करने में समस्या, मानसिक स्थिति में गड़बड़ी

उपायः विटामिन बी12 के अच्छे स्रोतों में मांसाहारी उत्पाद जैसे मांस, मछली, अंडे, और डेयरी उत्पाद शामिल हैं। शाकाहारी लोग इसे सप्लीमेंट्स से ले सकते हैं या बी 12 से फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों का सेवन कर सकते हैं।

विटामिन सी की कमी

विटामिन सी शरीर को इम्यून सिस्टम को मजबूत रखने में मदद करता है। इसके अलावा, यह ऊर्जा को बढ़ाने में भी सहायक है। विटामिन सी की कमी से शरीर कमजोर हो सकता है और थकान बढ़ सकती है।

लक्षणः थकावट महसूस होना, त्वचा की समस्याएं,इम्यून सिस्टम कमजोर होना

उपायः विटामिन सी के लिए आप बपजतने तिनपजे जैसे संतरा, नींबू, अमरूद, और मिर्च का सेवन कर सकते हैं।

विटामिन ई की कमी

विटामिन ई एक एंटीऑक्सीडेंट है जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करने के साथ–साथ त्वचा को भी स्वस्थ बनाए रखता है। इसके बिना शरीर में कमजोरी महसूस हो सकती है, जिससे आलस और थकावट बढ़ जाती है।

लक्षणः शरीर में कमजोरी, आलस और थकान, त्वचा का सुखाना और मुरझाना

उपायः विटामिन ई के स्रोत में बादाम, सूरजमुखी के बीज, हरे पत्तेदार सब्जियां और गेहूं का हमतउ शामिल हैं।

ज्यादा नींद आने के अन्य कारण

सिर्फ विटामिन डी और बी12 ही नहीं कई दूसरे पोषक तत्व भी हैं जो नींद की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। इसमें मैग्नीशियम, पोटैशियम और आयरन जैसे मिनरल भी शामिल हैं। इनकी कमी शरीर में आलस, थकान और कमजोरी पैदा करती है। जिससे आपको दिनभर नींद आती रहती है। सोने के बाद भी शरीर में असल छाया रहता है। अगर ऐसा लंबे वक्त तक महसूस हो तो आपको डॉक्टर को जरूर दिखाना चाहिए।

क्या करें

1. शरीर में विटामिन की कमी को दूर करने के लिए संतुलित आहार लेना जरूरी है। ताजे फल, सब्जियां, डेयरी उत्पाद और प्रोटीन से भरपूर आहार लें।

2. विटामिन डी के लिए प्रतिदिन कुछ समय सूर्य की रोशनी में बिताएं।

3. यदि आहार से पर्याप्त विटामिन नहीं मिल पा रहे हैं तो डॉक्टर से सलाह लेकर विटामिन सप्लीमेंट्स ले सकते हैं।

4. शरीर को हाइड्रेट रखना भी ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है।

यदि आप अधिक नींद महसूस कर रहे हैं और सुबह उठने के बाद भी आलस और थकावट महसूस हो रही है, तो यह विटामिन की कमी का संकेत हो सकता है।

आंखों की रोशनी सुधारनी है ? तो ये चीजें खानी शुरू कर दीजिए, कुछ ही दिनों में वीजन होगा बेहतर

आंखों की रोशनी को सही रखने के लिए हमें सही डाइट की जरूरत होती है। हमारी आंखों के लिए कई तरह के पोषक तत्व बेहद जरूरी होते हैं, जो हमारी आंखों को स्वस्थ और तेज रखने में मदद करते हैं। अगर आप अपनी आंखों की रोशनी को सुधारना चाहते हैं, तो आपको कुछ खास चीजें अपनी डाइट में शामिल करनी चाहिए। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कौन सी चीजें आपकी आंखों के लिए फायदेमंद हो सकती हैं और आपकी आंखों की रोशनी को बेहतर बनाने में मदद कर सकती हैं।

गाजर

गाजर में विटामिन ए और बीटा कैरोटीन की भरपूर मात्रा होती है, जो आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। विटामिन । आंखों के रेटिना को स्वस्थ रखने में मदद करता है और रात के समय देखने की क्षमता को भी बढ़ाता है। आप गाजर को कच्चा खा सकते हैं, सलाद में डाल सकते हैं या फिर गाजर का जूस भी बना सकते हैं। यह आपकी आंखों के लिए बेहद फायदेमंद है।

पालक

पालक में भी विटामिन ए, बी, और ई, ल्यूटिन, और जेक्सैंथिन जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो आंखों को प्रदूषण और यूवी किरणों से बचाने में मदद करते हैं। यह आंखों के अंदर के तंतु (retina) की रक्षा करता है। पालक को सलाद, सूप, या फिर सब्जी के रूप में खा सकते हैं। आप पालक का जूस भी बना सकते हैं।

मछली

मछली, खासकर सैल्मन, सारडिन और टूना, ओमेगा–3 फैटी एसिड का एक अच्छा स्रोत हैं। ओमेगा–3 फैटी एसिड आंखों के सूखेपन को कम करने और रेटिना को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। यह उम्र के साथ होने वाली दृष्टि में कमी को भी रोकता है। सप्ताह में 2–3 बार मछली खा सकते हैं। सैल्मन या टूना को ग्रिल कर के भी खा सकते हैं।

अंडे

अंडों में विटामिन ए, डी, ई और जिंक की अच्छी मात्रा होती है, जो आंखों के लिए लाभकारी होते हैं। जिंक आंखों के रेटिना की रक्षा करता है और बेहतर दृष्टि बनाए रखने में मदद करता है। आप अंडे को उबालकर, ऑमलेट बना कर, या फिर सब्जियों के साथ खा सकते हैं। अंडे का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए।

शकरकंद

शकरकंद भी विटामिन ए और बीटा कैरोटीन का अच्छा स्रोत है। यह आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि यह रेटिना की कोशिकाओं को पोषण देता है और आंखों को स्वस्थ रखता है। आप शकरकंद को उबालकर, भूनकर या फिर सूप में डालकर खा सकते हैं।

आंवला

आंवला भी सर्दियों में ही आता है। स्वाद में खट्टा और कसैला आंवला आंखों की सेहत बनाए रखता है। इसमें पाया जाने वाला विटामिन सी आंखों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। आंवला खाने से आंखों के अंदर ब्लड सर्कुलेशन सही होता है। इसके सेवन से आपकी आंखों की रोशनी भी बढ़ जाती है। आप आंवले का अचार, आंवले का मुरब्बा और आंवले की चटनी बनाकर खा सकते हैं। इसके अलावा आप कच्चा आंवला भी खा सकते हैं।

पपीता

पपीता यूं तो पूरे साल रहता है लेकिन सर्दियों में इसे खाने से आपकी आंखों की सेहत को फायदा पहुंच सकता है। पपीते में विटामिन ए के साथ साथ विटामिन सी और विटामिन ई भी पाया जाता है। ये सभी विटामिन आंखों के लिए बहुत जरूरी कहे जाते हैं। इनकी मदद से आंखों पर सूरज की तेज धूप और गैजेट्स के साइड इफेक्ट कम होते हैं। आंखों की रोशनी को बेहतर बनाने के लिए ऊपर बताई गई चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना बेहद फायदेमंद हो सकता है।

ग्लोइंग स्किन पाने के लिए इन 4 ड्रिंक का करे सेवन, बड़े ही कम का है यह नुस्खा

ग्लोइंग स्किन पाने की सबकी चाहत होती है। लेकिन फिर भी चेहरे पर एक्ने और झुर्रियां सब बिगड़ देती है। त्वचा को निखारने के लिए न जाने हम सभी क्या–क्या नहीं करते। महंगे–महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का यूज करते हैं। लेकिन तब भी स्किन साफ नहीं होती है। आइए आपको बताते हैं नेचुरल तरीके से ग्लोइंग स्किन कैसे बना सकते हैं।

एबीसी जूस

ग्लोइंग स्किन पाने की चाह रखने वाले अब आप इस फार्मूला जिसका नाम एबीसी के नाम से जाना जाता है। यह तरह–तरह का जूस जिसमें ए से एप्पल, बी से बीटरूट और सी से कैरेट होता है। इन 3 चीजों से बना जूस हमारी स्किन को अंदर से डिटॉक्स करता है और खून साफ करने में काम करता है।

रेड जूस

चेहरे को ग्लोइंग स्किन बनाने के लिए अगर आप एबीसी जूस नहीं पीना चाहते हैं जो रेड जूस जरुर पिएं। इसे बनाने के लिए गाजर, अनार, आंवला, पुदीना और अदरक का इस्तेमाव किया जाता है। इतना ही नहीं, यह आपके गट को हेल्दी रखने में मदद करता है और जब गट हेल्दी रहेगा तो स्किन अपने आप स्वस्थ रहेगी।

विटामिन सी जूस

ग्लोइंग स्किन के लिए विटामिन सी बेहद जरुरी माना जाता है। ग्लोइंग स्किन के लिए कई तरह के सीरम का यूज करते हैं, जिनमें विटामिन सी सीरम जरुर शामिल होते हैं। आप चाहें तो पाइनएप्पल, मौसमी, अदरक और गाजर से बना विटामिन सी रिच जूस पीकर आप स्किन को साफ और चमकदार बना सकते हैं। इसमें मौजूद एंटी–ऑक्सीडेंट्स आपके चेहरे से दाग–धब्बों को भी कम करता है।

ग्रीन जूस

अब आपको स्किन स्पेशलिस्ट के पास जाकर अपनी त्वचा को डिटॉक्स करने के लिए इंजेक्शन लेने कोई जरुरत नहीं है, नूट्रिशनिस्ट अविन्का भल्ला का बताया ग्रीन जूस बनाने का तरीका बताया है। आप इसको बनाने के लिए सेब, खीरा, धनिया और नींबू का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपकी त्वचा को निखारने में काफी मदद करेगा।

संक्षिप्त

ओयो प्रीमियम होटल खंड का विस्तार करने के लिए ब्रिटेन में पांच करोड़ पाउंड का करेगी निवेश

नयी दिल्ली,एजेंसी। आतिथ्य क्षेत्र की कंपनी ओयो ने कहा कि उसकी अगले तीन वर्ष में ब्रिटेन में पांच करोड़ पाउंड (539.57 करोड़ रुपये) निवेश करने की योजना है। कंपनी मुख्य रूप से अपने प्रीमियम होटल खंड के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करेगी। ओयो ने बयान में कहा, इस निवेश से अगले तीन वर्षों में ब्रिटेन के आतिथ्य क्षेत्र में 1,000 नौकरियां सृजित होने की उम्मीद है। एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव के तहत ओयो सक्रिय रूप से अपने ब्रिटेन खंड के प्रीमियमीकरण पर काम कर रही है। ब्रिटेन की निवेश मंत्री बैरोनेस पॉपी गुस्ताफसन ओबीई ने बयान में कहा, '' प्रीमियम होटलों में ओयो का निवेश न केवल हमारे पर्यटन बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा, बल्कि हमारी महत्वाकांक्षी 'शोकेस ब्रिटेन' पहल को भी समर्थन देगा। इससे हमारी परिवर्तन योजना के तहत आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने में भी मदद मिलेगी।'' ब्रिटेन में ओयो के 'कंट्री हेड' पुनीत यादव ने कहा कि ओयो ने 2018 में एक ऐसे मॉडल का लाभ उठाते हुए ब्रिटेन के बाजार में प्रवेश किया था जो अन्य वैश्विक बाजारों में सफल साबित हुआ है। यादव ने कहा, '' .... हम अपने कई लोकप्रिय यूरोपीय ब्रांड को ब्रिटेन के बाजार में पेश करने की योजना बना रहे हैं, जिससे हमारी पेशकश में और विविधता आएगी तथा ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा।

बजट महंगाई बढ़ाने वाला नहीं इससे आरबीआई को मौद्रिक सुगमता में मदद मिलेगी : वित्त सचिव

नयी दिल्ली, एजेंसी। वित्त सचिव तुहिन कांत पांडे ने कहा कि सरकार ने राजकोषीय घाटे को कम करने के लिए कदम उठाते हुए ऐसा बजट पेश किया है जिससे महंगाई नहीं बढ़ेगी। अब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति को वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए ब्याज दर में कटौती पर फैसला करना है। पांडे ने कहा, '' राजकोषीय नीति और मौद्रिक नीति को एक साथ काम करने की जरूरत है, न कि विपरीत

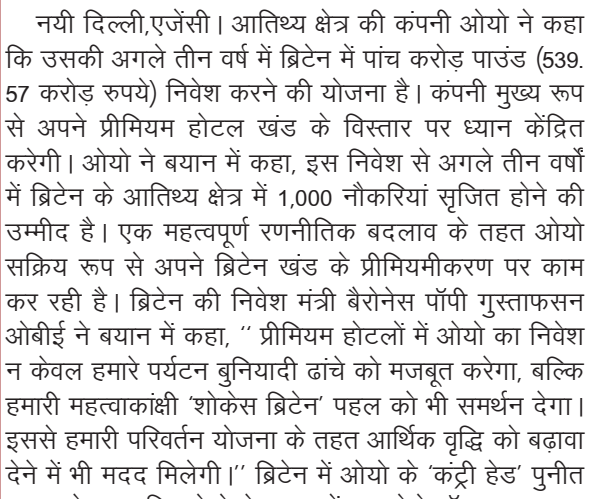

उद्देश्यों के लिए... क्योंकि अगर हम मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखने में सक्षम हैं, तो मौद्रिक सहजता से भी बहुत अधिक लाभ होगा।'' बजट में राजकोषीय घाटे के वित्त वर्ष 2025–26 में 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है जो चालू वित्त वर्ष 2024–25 के 4.8 प्रतिशत से कम है। पांडे ने यहां भारतीय वाणिज्य एंव उद्योग मंडल (एसोचौम) के साथ बजट के बाद आयोजित परिचर्चा में कहा, '' यह स्पष्ट करना बहुत जरूरी है कि हमें एक निश्चित राजकोषीय व्यवस्था के भीतर क्या करना है। हमें उस सीमा तक मौद्रिक अधिकारियों की सहायता करनी होगी...'' भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक पांच फरवरी से शुरू होगी। एमपीसी सात फरवरी को अपने नीतिगत निर्णयों की घोषणा करेगी। रुपये में गिरावट से मुद्रास्फीति को लेकर बढ़ने वाली चिंता के बारे में पूछे जाने पर सचिव ने कहा कि गिरावट का असर आयात से बढ़ने वाली महंगाई पर होता है, लेकिन इससे निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ती है। यह पूछे जाने पर कि क्या मौद्रिक नीति समिति नीतिगत दरों में कटौती का फैसला करेगी, पांडे ने कहा, '' मुझे लगता है कि यह फैसला एमपीसी करेगी। वे स्थिति से वाकिफ हैं। वे फैसला लेंगे।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट में 3.764 करोड़ डॉलर दिए, यूएन ने जताया आभार

संयुक्त राष्ट्र/नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने 2025 के लिए संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट में 3.764 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया है। इस तरह वह संयुक्त राष्ट्र को उसके नियमित बजट का पूरा और समय पर भुगतान करने वाले 35 सदस्य देशों की सूची में शामिल हो गया है। संयुक्त राष्ट्र योगदान समिति के अनुसार, 31 जनवरी 2025 तक 35 सदस्य देशों ने संयुक्त राष्ट्र वित्तीय विनियमों में निर्दिष्ट 30–दिवसीय

नियत अवधि के भीतर अपने नियमित बजट मूल्यांकन का पूरा भुगतान कर दिया है। भारत ने 2025 के संयुक्त राष्ट्र नियमित बजट में 3.764 करोड़ अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया। उसने 31 जनवरी 2025 को भुगतान किया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में उन देशों के नाम बताते हुए कहा, श्हम भारत में अपने मित्रों को धन्यवाद देते हैं।श भारत लगातार उन देशों में शामिल रहा है, जो संयुक्त राष्ट्र के बजट में अपना अंशदान समय पर और पूर्ण रूप से अदा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष फिलेमोन यांग ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत संयुक्त राष्ट्र के सदस्य के रूप में अपने दायित्वों का पूर्ण और समय पर भुगतान कर अपना कर्तव्य पूरा कर रहा है। यांग चार से आठ फरवरी को भारत की यात्रा पर रहेंगे।

टी20 विश्व कप में जैसे अफगानिस्तान की कप्तानी की थी, वैसे ही कप्तानी करना चाहता था : राशिद

राशिद खान ने कहा कि वह उसी तरह से कप्तानी करना चाहते थे जैसी पिछले साल टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की थी। पिछले दो सत्र में खराब प्रदर्शन और प्लेआफ में जगह नहीं बना पाने के बाद एमआई केपटाउन एसए20 के तीसरे सत्र में नौ मैचों में छह जीत दर्ज करके तीस अंक के साथ शीर्ष पर है।

गक्बेरहा, एजेसी। एसए 20 के तीसरे सत्र में एमआई केपटाउन के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत कप्तान राशिद खान ने कहा कि वह उसी तरह से कप्तानी करना चाहते थे जैसी पिछले साल टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की थी। पिछले दो सत्र में खराब प्रदर्शन और प्लेआफ में जगह नहीं बना पाने के बाद एमआई केपटाउन एसए20 के तीसरे सत्र में नौ मैचों में छह जीत दर्ज करके तीस अंक के साथ शीर्ष पर है। राशिद की कप्तानी में पिछले साल टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की टीम ने सभी को चौंकाते हुए सुपर आठ चरण में आस्ट्रेलिया को हराया और फिर अंतिम चार में पहुंची थी। राशिद ने पार्ल रॉयल्स के खिलाफ पहले क्वालीफायर की पूर्व संध्या पर मीडिया से कहा ,'' मैं एमआई केपटाउन की कप्तानी उसी तरह से करना चाहता था जैसे विश्व कप में अफगानिस्तान के लिये की थी। कोच रॉबी पीटरसन ने भी मुझसे यही कहा। इस साल मैं खिलाड़ियों को बेहतर समझता था और उनके साथ काफी समय बिताया था जिससे मुझे पता था कि किस गेंदबाज का इस्तेमाल कब करना है।'' उन्होंने कहा ,'' सबसे अहम बात खिलाड़ियों सेस्पष्ट संवाद रखना था। उन्हें पता होना चाहिये कि कप्तान के दिमाग में क्या चल रहा है और मुझे पता होना चाहिये कि वे क्या सोच रहे हैं। पहले साल में इससे बेहतर कर सकता था लेकिन हम सब लगातार सीखते हैं।'' इस अनुभवी लेग स्पिनर ने कहा कि इस बार हर खिलाड़ी

जिम्मेदारी लेकर खेला है जिससे उनका काम आसान हो गया। उन्होंने कहा ,''पिछले दो साल हमने अच्छी क्रिकेट खेली लेकिन फिनिशिंग नहीं कर सके। इस बार हमने टीम प्रयास से अच्छा किया और जिसे भी मौका मिला, उसने योगदान दिया है। चाहे वह बल्लेबाज हो, गेंदबाज या फील्डर। सबसे अहम बात है कि हम खेल का मजा ले रहे हैं और नतीजों की परवाह नहीं कर रहे।'' उन्होंने कहा कि टीम में नेतृत्व दल होने से उन्हें काफी मदद मिल रही है। राशिद ने कहा ,'' टीम में एक अच्छा नेतृत्व दल होना जरूरी है। खासकर मेरे जैसे विदेशी खिलाड़ी के लिये यहां आकर कप्तानी करना आसान नहीं था लेकिन बाकी सीनियर खिलाड़ियों ने मेरी काफी मदद की। सभी ने मिलकर जिम्मेदारी ली है।'' उन्होंने कहा ,'' इसलिये मुझे यह नहीं सोचना पड़ता कि मैं अकेले फैसले ले रहा हूं। मैं दूसरों की भी सुनता हूं जो काफी अनुभवी हैं। ये खिलाड़ी इन हालात में काफी खेल चुके हैं और यहीं बड़े हुए हैं। उन्हें हालात की अच्छी समझ है और मुझे उनसे काफी मदद मिलती है।

अभिषेक के मुरीद हुए मैकुलम, टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज को लेकर कह दी ये बात

भारतीय युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी टी20 मुकाबले में शानदार पारी खेलते हुए 54 गेंदों में 7 चौके और 13 छक्कों की मदद से 135 रनों की पारी खेली थी। इस दौरान अभिषेक भारत के लिए टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। वहीं अब अभिषेक का प्रदर्शन देखकर इंग्लैंड के हेड कोच ब्रैंडन मैकुलम ने भी जमकर तारीफ की है। दरअसल, मैकुलम ने कहा कि अभिषेक ने ऐसे गेंदबाजों के खिलाफ ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की, जो 90 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। इसके अलावा इंग्लिश टीम में अनुभवी स्टार स्पिनर आदिल रशीद भी मौजूद थे, जिनके सामने दुनिया के अच्छे–अच्छे बल्लेबाज भी संघर्ष करते हैं। इंडिया टुडे के मुताबिक इंग्लैंड के हेड कोच ब्रैंडन मैकुलम ने कहा कि, सबसे पहले और सबसे जरूरी बात, अभिषेक

की जो पारी हमने देखी वह उनती ही अच्छी पारी है जितनी हमने टी20 क्रिकेट में कभी देखी है। वह किसी भी अटैक के खिलाफ ऐसा नहीं कर रहे हैं बल्कि वह ऐसा चार गेंदबाजों के खिलाफ कर रहे हैं जो 90 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकते हैं और एक बेहतरीन लेग स्पिनर हैं। बता दें कि, अभिषेक ने भारत के लिए टी20 इंटरनेशनल में दूसरा सबसे अर्धशतक और शतक लगाने का रिकॉर्ड कायम किया। उन्होंने 17 गेंदों में फिफ्टी पूरी की थी। इसके अलावा अभिषेक ने 37 गेंदों में शतक पूरा किया था। गौरतलब है कि, अभिषेक भारत के लिए टी20 इंटरनेशनल खेलते हैं। उन्होंने अब तक 17 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं जिनकी 16 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 33.43 की औसत और 193.84 के स्ट्राइक रेट से 535 रन बना लिए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और 2 अर्धशतक निकल चुके हैं।

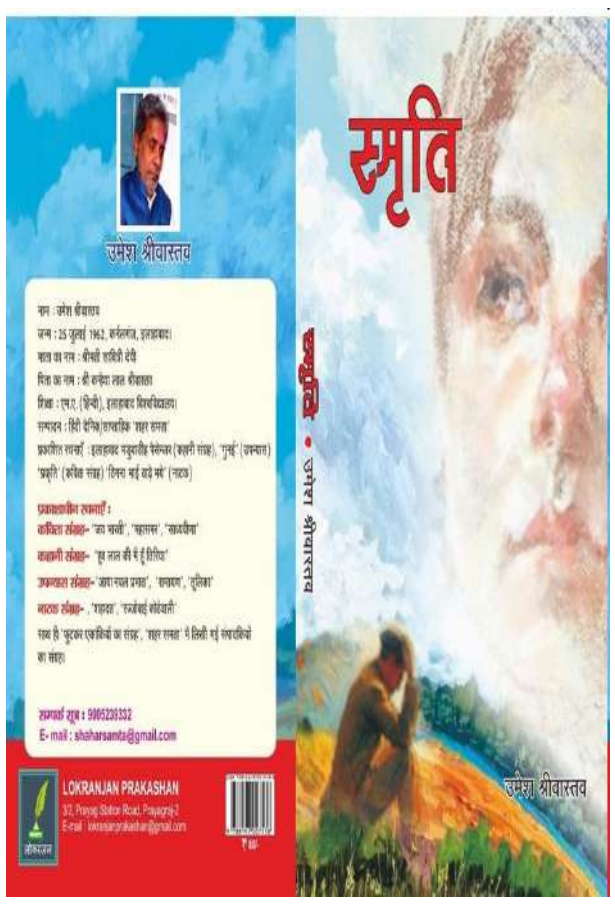

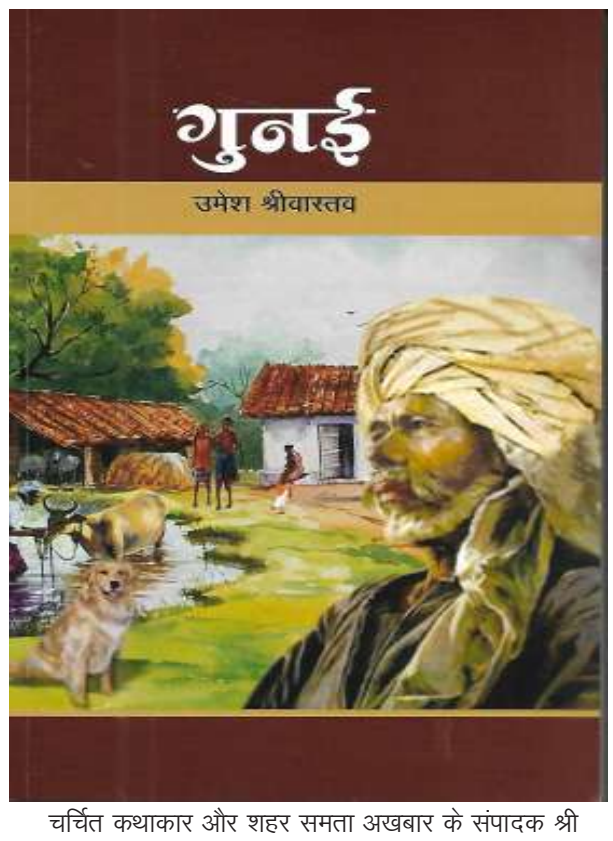

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

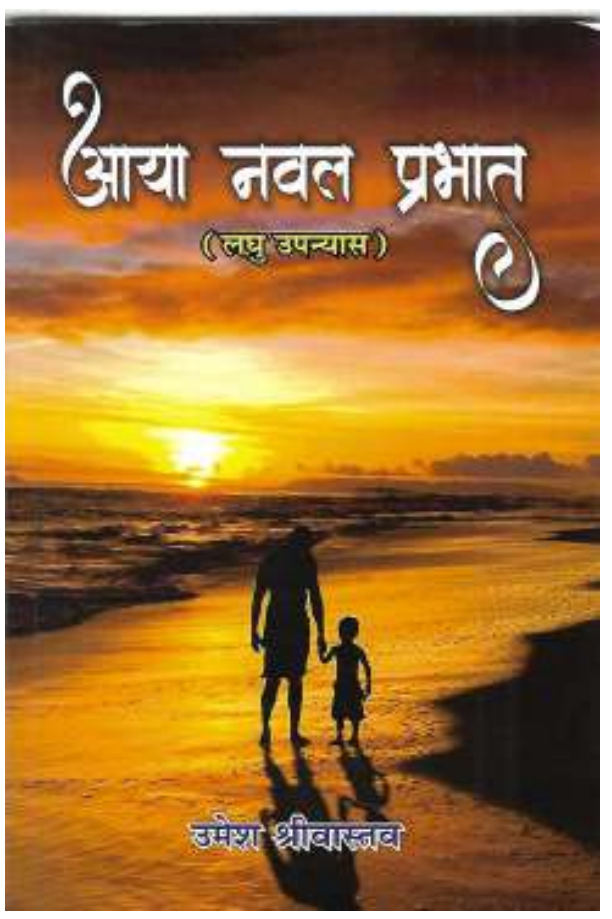

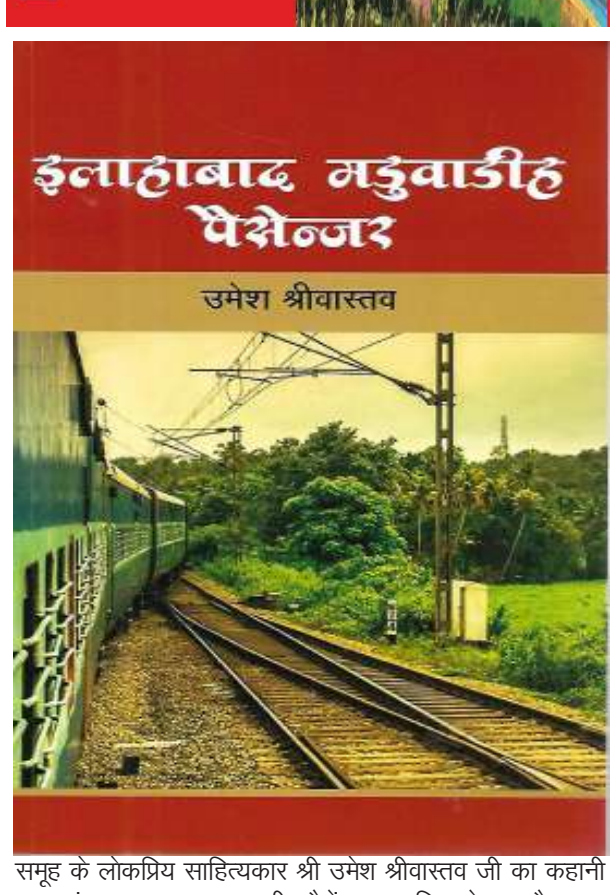

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

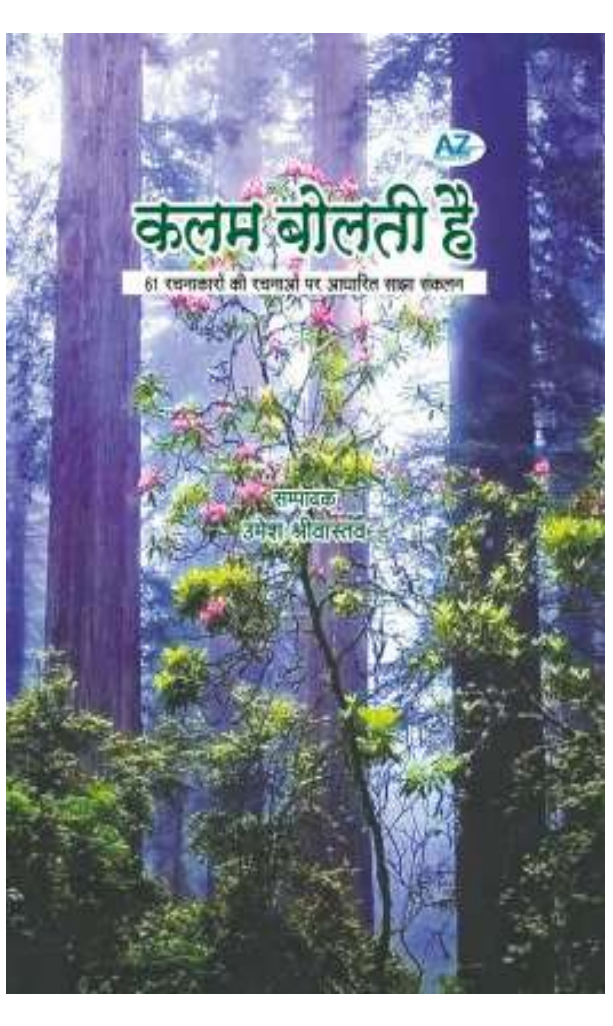

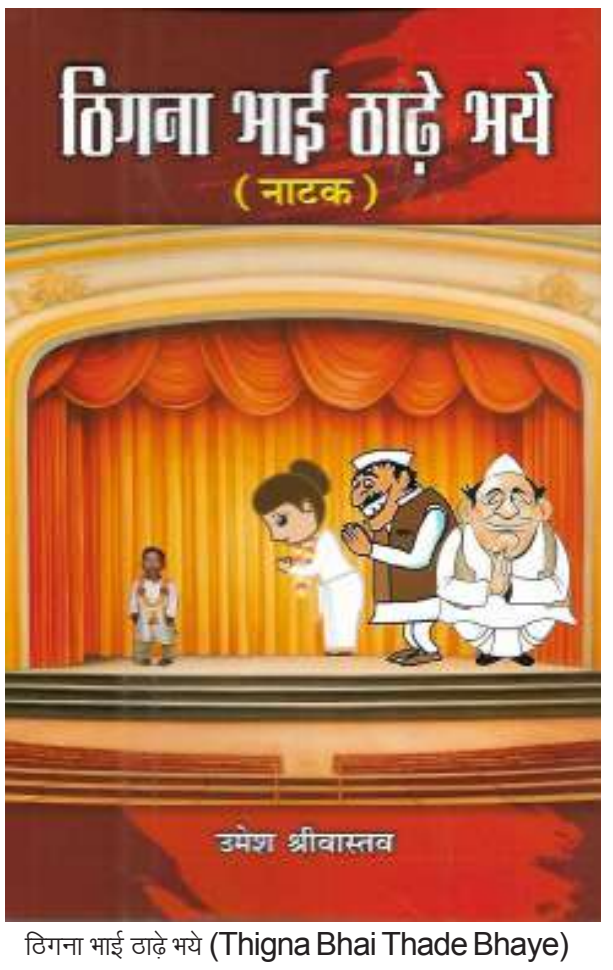

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार ने सुरक्षा प्रमुखों से धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने को कहा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने सुरक्षा प्रमुखों को आदेश दिया कि वे धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमलों को रोकने और प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की रक्षा के लिए विशेष कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि अगर बांग्लादेश अपने धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में विफल रहता है तो इससे देश की वैश्विक छवि को ''बुरी तरह नुकसान पहुंचेगा।'' 'डेली स्टार' अखबार

की खबर के अनुसार, यूनुस ने यहां सुरक्षा प्रमुखों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करते हुए ये निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को देश में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति पर गहन निगरानी रखने के लिए एक 'कमांड सेंटर' स्थापित करने का निर्देश दिया। मुख्य सलाहकार ने वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों से कहा, ''हमें एक कमांड सेंटर या कमांड मुख्यालय स्थापित करना होगा, जो सभी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करे।'' उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों को नवीनतम संचार उपकरणों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए ताकि वे किसी भी स्थिति में तुरंत हस्तक्षेप कर सकें। यूनुस ने कहा, ''अगर हम अपने धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा नहीं कर पाए तो हमारी वैश्विक छवि को बहुत नुकसान पहुंचेगा। हमें इस संबंध में बहुत पारदर्शी होना चाहिए।'' उन्होंने सुरक्षा प्रमुखों को प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की रक्षा करने और धार्मिक या जातीय अल्पसंख्यकों पर हमलों को रोकने के लिए विशेष उपाय करने का आदेश दिया। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में वृद्धि हुई है, साथ ही मंदिरों पर हमले भी हुए हैं। बैठक में गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी, मुख्य सलाहकार के विशेष सहायक खुदा बख्श चौधरी शामिल हुए।

ट्रंप ने मेक्सिको पर आयात शुल्क वृद्धि को एक माह रोका, कनाडा और चीन को राहत नहीं

वाशिंगटन, एजेसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मेक्सिको पर लगाए गए योजनाबद्ध शुल्क को एक महीने के लिए रोक दिया है। मेक्सिको के राष्ट्रपति क्लॉउडिया शिनबाम ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया। 'व्हाइट हाउस' ने भी एक बयान में इसकी पुष्टि की है। शिनबाम ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मेक्सिको तुरंत नेशनल गार्ड के 10,000 सदस्यों की तैनाती के साथ उत्तरी सीमा को मजबूत करेगा, ताकि मेक्सिको से अमेरिका में फेंटेनाइल सहित मादक पदार्थों की तस्करी को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि अमेरिका भी मेक्सिको में शक्तिशाली हथियारों की तस्करी रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। मेक्सिको की राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों देश सुरक्षा और व्यापार पर बातचीत जारी रखेंगे। दूसरी ओर कनाडा और चीन के खिलाफ ट्रंप द्वारा घोषित शुल्क मंगलवार से लागू होने वाले हैं। ऐसे में वैश्विक व्यापार को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है कि क्या शुल्क एक व्यापक व्यापार युद्ध में बदल सकता है। गौरतलब है कि ट्रंप ने आने वाले समय में और अधिक आयात कर लगाने का वादा किया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि उन्होंने ''सोमवार सुबह कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से बात की और वह दोपहर तीन बजे फिर उनसे बात करेंगे।'' कनाडा और मेक्सिको ने अमेरिकी कार्रवाइयों के जवाब में अमेरिका के खिलाफ शुल्क लगाने की योजना बनाई थी, लेकिन मेक्सिको फिलहाल ऐसा नहीं कर रहा है। ट्रंप ने मेक्सिको, कनाडा और चीन से आयात होने वाली वस्तुओं पर कड़े शुल्क लगाने संबंधी एक आदेश पर शनिवार को हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किए अपने पोस्ट में कहा कि ये शुल्क 'अमेरिकियों की सुरक्षा के लिए' आवश्यक हैं। ट्रंप ने चीन से सभी आयात पर 10 प्रतिशत और मेक्सिको तथा कनाडा से आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने के लिए आर्थिक आपातकाल की घोषणा की। कनाडा से आयातित ऊर्जा, जिसमें तेल, प्राकृतिक गैस और बिजली शामिल है, पर 10 प्रतिशत की दर से कर लगाया जाएगा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने गंभीर लहजे में कहा, "व्हाइट हाउस द्वारा आज की गई कार्रवाई ने हमें एकजुट करने के बजाय अलग कर दिया है।" उन्होंने कहा कि उनका देश शराब और फलों सहित 155 अरब डॉलर तक के अमेरिकी आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाएगा। चीन ने ट्रंप की कार्रवाई पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

अपनी सीमा सुरक्षा को सख्ती से लागू कर रहा अमेरिका, भारत आ रहे प्रवासी वाले विमान पर यूएस एबेंसी से आ गया बयान

ट्रंप प्रशासन द्वारा सैन्य विमान के जरिए प्रवासियों को भारत भेजने की खबरों के बीच अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका आव्रजन कानूनों को सख्ती से लागू कर रही है और अवैध प्रवासियों को हटाया जा रहा है। अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा कि ये कार्रवाइयां एक स्पष्ट संदेश भेजती हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

सऊदी और इजरायल के बीच होने वाली है दोस्ती ? नेतन्याहू के वाशिंगटन में लैंड करते ही ट्रंप ने दिया बड़ा इशारा

डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में वापसी के बाद इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका के दौरे पर हैं। ट्रंप के सत्ता में आने से पहले हमास और इजरायल के बीच युद्ध विराम समझौता हुआ और कई बंदियों की रिहाई भी हुई। इससे अब उम्मीद बढ़ने लगी है कि खाड़ी देशों में शांति आएगी। इस बीच नेतन्याहू ने अमेरिका पहुंचने से पहले एक बड़ा बयान दिया। नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप के साथ सऊदी अरब के साथ रिश्ते समान्य बनाने को लेकर बहुत अहम बैठक होने जा रही है। इसके अलावा बंधकों की रिहाई पर भी नेतन्याहू और ट्रंप के बीच चर्चा होगी। पीएम नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथग्रहण के बाद व्हाइट हाउस में उनसे मिलने वाले वो पहले विदेशी नेता हैं। पीएम नेतन्याहू का वाशिंगटन ब्लेयर हाउस में भव्य स्वागत भी हुआ। नेतन्याहू ने कहा कि वो राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हमास के साथ जारी युद्ध और सभी बंधकों की रिहाई के अलावा ईरान के आंतकी एक्सिस पर चर्चा करेंगे। इजरायली पीएम ने कहा कि इस मुलाकात में ट्रंप के साथ सऊदी अरब के साथ रिश्ते सामान्य करने को लेकर बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं शांति के दायरे को बढ़ाने पर बात करूंगा। ताकत के बल पर शांति हासिल करने के प्रयास किए जाएंगे। नेतन्याहू के प्रवक्ता दोस्तरी ने कहा कि हमारी इच्छा शांति पर पहुंचने की है और दूसरे पक्ष की भी यही इच्छा है। ट्रंप चाहते हैं कि अपने दूसरे कार्यकाल में वह अब्राहम अकॉर्ड 2 करें जिससे इजरायल और सऊदी में दोस्ती हो जाए।

इजरायल और अरब देशों के बीच का अब्राहम समझौता

इजरायल और संयुक्त अरब अमीरात के बीच 13 अगस्त 2020 को हुआ था। उसी रात 11 सितंबर को इन दोनों देशों ने समझौता पर हस्ताक्षर किए। अब्राहम के नाम की खासियत ये है कि इसे इस्लाम, ईसाई और यहूदी तीनों ही धर्मों में पवित्रता के साथ लिया जाता है। इसका मतलब सहयोग की भावना है। अब्राहम समझौते का मुख्य मकसद अरब और इजरायल के बीच आर्थिक, राजनयिक और सांस्कृतिक स्तर पर संबंधों को सामान्य बनाना था। सितंबर 2020 में हस्ताक्षरित ऐतिहासिक अब्राहम समझौते ने इज़राइल और यूएई और बहरीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की, जिससे 41 साल का गतिरोध टूट गया। हालाँकि, सऊदी अरब अब्राहम समझौते का समर्थक था, लेकिन उसने इसका पालन नहीं किया।

पूर्व पीएम किशिदा के हमलवार ने आरोपों से किया इनकार, कहा- मेरा इरादा उनको मारने का नहीं था

क्योटो, एजेंसी। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा पर जानलेवा हमला करने के आरोपी युवक ने अदालत में बड़ा बयान दिया है। आरोपी युवक ने पश्चिमी जापान की अदालत में कहा कि उसका इरादा पूर्व पीएम को मारने का नहीं था। हालांकि युवक ने बम बनाने के आरोपों को स्वीकार किया। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा पर 15 अप्रैल 2023 को जानलेवा हमला हुआ था। वाकायामा शहर में भाषण के दौरान उन पर एक व्यक्ति ने पाइप बम फेंक दिया था। हालांकि, जब तक यह बम फटता, पूर्व पीएम किशिदा को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मामले में जापानी युवक रियूजी किमुरा को हिरासत में लिया गया था। उस पर पूर्व पीएम की हत्या का प्रयास करने, विस्फोटकों और हथियार बनाने का आरोप लगाया गया। वाकायामा जिला अदालत में मंगलवार को मुकदमे की सुनवाई के दौरान आरोपी रियूजी किमुरा ने पूर्व पीएम के हत्या के प्रयास के आरोप से इनकार किया। आरोपी ने कहा कि उसका इरादा पूर्व पीएम किशिदा को मारने का नहीं था। उसने बम बनाने के आरोपों को स्वीकार किया।

चुनाव प्रणाली से नाराज था आरोपी

घटना की जांच के बाद सामने आया था कि आरोपी युवक देश की चुनाव प्रणाली से नाराज था। रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी ने 2022 में सरकार पर यह आरोप लगाया था कि सरकार ने उसे ऊपरी सदन का चुनाव लड़ने से रोक दिया था। उसने कोबे क्षेत्रीय न्यायालय में मुकदमा दायर किया था। साथ ही उसने हर्जाने की मांग भी की थी। न्यायालय में दिए गए दस्तावेजों के मुताबिक, किमुरा का कहना था कि लोक कार्यालय निर्वाचन कानून के तहत उम्मीदवारी की योग्यता के लिए 30 वर्ष या उससे अधिक आयु की शर्त, संविधान का उल्लंघन है। किमुरा ने यह भी दावा किया था कि ऊपरी सदन के चुनाव की उम्मीदवारी के लिए 30 लाख येन यानि करीब 22,300 डॉलर जमा कराने की अनिवार्यता संबंधी अनुच्छेद भी संविधान का उल्लंघन है। अपने दावों के साथ ही किमुरा ने चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराए जाने के कारण हुई मानसिक पीड़ा के एवज में एक लाख येन यानि लगभग 700 डॉलर के हर्जाने की मांग की थी।

13 फरवरी को ट्रंप से मुलाकात, लेकिन पहले 'प्रिय नरेंद्र' कहने वाले इस खास दोस्त से मिलेंगे मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले महीने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उद्घाटन के बाद उनके साथ अपनी पहली द्विपक्षीय बैठक के लिए 12 फरवरी को पेरिस से वाशिंगटन जाएंगे। उनका आधिकारिक कार्यक्रम 2 दिनों का रहने वाला है। शिखर सम्मेलन 13 फरवरी को होने की संभावना है। इससे पहले पीएम मोदी 10–11 फरवरी को फ्रांस जाने वाले हैं और अब इसी यात्रा को आगे बढ़ते हुए इसके साथी अमेरिका यात्रा को जोड़ा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मैं अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं। वहां उनके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े सभी पहलुओं पर चर्चा होने की संभावना है। मोदी अगले सप्ताह एआई शिखर सम्मेलन की सह–अध्यक्षता करने के लिए फ्रांस जाएंगे, जिसकी मेजबानी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 10–11 फरवरी को कर रहे हैं। ट्रम्प को भी शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया था। बैठक में अमेरिका का प्रतिनिधित्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस द्वारा किए जाने की संभावना है। ट्रम्प के पेरिस नहीं जाने के कारण, मोदी के साथ द्विपक्षीय शिखर वार्ता अब अमेरिकी राजधानी में होगी। दरअसल ट्रंप ने पिछले हफ्ते पीएम से फोन पर बातचीत के बाद पुष्टि की थी कि वह फरवरी में व्हाइट हाउस का दौरा करेंगे। मोदी से हुई टेलीफोन वार्ता पर ट्रंप ने कहा था कि सोमवार सुबह मेरी मोदी से काफी लंबी बात हुई है। वह संभवतः अगले महीने वाशिंगटन आएंगे। भारत के साथ हमारे बहुत ही अच्छे संबंध होंगे। रिपोर्टरों ने जब ट्रंप से पूछा कि मोदी ने गैरकानूनी तौर पर अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के बारे में कुछ कहा है तो ट्रंप ने कहा जो भी सही होगा, वह करेंगे। हम अभी बात कर रहे हैं। अमेरिका के नए विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ पहली बैठक में भी गैरकानूनी तौर पर रहने वाले भारतीयों का मुद्दा उठाया था। 20 जनवरी के उद्घाटन के बाद उनकी पहली बातचीत में ट्रम्प ने भारत–प्रशांत क्षेत्र में क्वाड सहित रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के लिए भारत के साथ सहयोग का वादा करते हुए, संबंधों में 2 संभावित अटकल व्यापार और अवैध आव्रजन – को उठाया था। ट्रम्प ने व्यापार घाटे को कम करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, भारत के साथ निष्पक्ष व्यापारिक संबंध की मांग की और विश्वास जताया कि मोदी अनियमित प्रवासन के मुद्दे पर वही करेंगे जो सही होगा। मोदी उन चुनिंदा नेताओं के समूह में शामिल होंगे जो ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पहले महीने में ही व्हाइट हाउस का दौरा करेंगे। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू मंगलवार को ट्रंप से मुलाकात करने वाले पहले विदेशी नेता होंगे। इसके बाद अगले सप्ताह की शुरुआत में जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय के साथ बैठक होने की संभावना है। हालांकि देर शाम तक यात्रा की तारीखों के बारे में किसी भी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था, लेकिन नाम न छापने की शर्त पर सूत्रों ने कहा कि ट्रम्प द्वारा मोदी के लिए रात्रिभोज की मेजबानी करने की संभावना है और अब तक किसी सामुदायिक कार्यक्रम की योजना नहीं बनाई गई है।

अमेरिका में क्यों बंद हो रहीं सैंकड़ों वेबसाइट्स? इनमें रक्षा और खुफिया विभाग की साइट्स भी शामिल

वॉशिंगटन, एजेसी। अमेरिका में सोमवार को सैंकड़ों वेबसाइट्स बंद हो गई हैं। इनमें यूएसएआईडी की वेबसाइट भी शामिल है, जिसे डोनाल्ड ट्रंप सरकार ने बंद करने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका सरकार की करीब 1400 संघीय वेबसाइट्स हैं, जिन्हें साइबर सिक्योरिटी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर एजेंसी द्वारा सुरक्षित किया जाता है। इनमें से 350 से ज्यादा वेबसाइट्स सोमवार को बंद मिलीं।

रक्षा और खुफिया विभाग की वेबसाइट्स भी बंद

जो वेबसाइट्स बंद मिली हैं, उनमें रक्षा, कॉमर्स, ऊर्जा, परिवहन, श्रम समेत खुफिया विभाग और सुप्रीम कोर्ट संबंधी वेबसाइट्स भी शामिल हैं। ये

वेबसाइट्स कब बंद हुईं, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं है और न ही ये जानकारी है कि ये वेबसाइट किसी तकनीकी खराबी की वजह से बंद हैं या फिर इन्हें स्थायी तौर पर बंद कर दिया गया है?

सरकार की लागत घटाने की कोशिश कर रहा ट्रंप प्रशासन

अमेरिका की सैंकड़ों संघीय वेबसाइट्स ऐसे समय बंद मिली हैं, जब ट्रंप प्रशासन सरकारी खर्च को नियंत्रित करने के लिए कदम उठा रहा है। एलन मस्क के नेतृत्व में सरकारी दक्षता विभाग लगातार सरकार की लागत को कम करने की दिशा में काम कर रहा है। ऐसे में आशंका है कि लागत नियंत्रित करने के कदमों के तहत ही विभिन्न वेबसाइट्स बंद हैं। यूएसएआईडी की वेबसाइट भी बंद है और उसके कर्मचारियों को भी ईमेल भेजकर मुख्यालय आने से मना कर दिया गया है। ट्रंप सरकार ने विविधता और समावेशी विभाग को भी बंद करने का आदेश दिया है। ट्रंप सरकार ने विदेशों को आर्थिक सहायता देने वाली एजेंसी ै।प्व को भी बंद कर दिया है और विदेश मंत्री मार्को रुबियो को इसकी समीक्षा करने की जिम्मेदारी दी है। विदेश विभाग ने एक बयान में कहा है कि यूएसएआईडी का गठन विदेशों में अमेरिकी हितों की रक्षा के मिशन से की गई थी, लेकिन यह एजेंसी अपने मूल मिशन से भटक गई है।

दुनिया में हर छठी मौत का कारण है कैंसर, जानिए इस दिन को मनाने का उद्देश्य

दुनिया में विकास के साथ ही कई गंभीर और घातक बीमारियां भी फैलती जा रही हैं। जिसमें कैंसर, वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। इस खतरनाक बीमारी के कारण हर साल पूरी दुनिया में लाखों लोगों की मौत हो जाती है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज का अनुमान है कि दुनिया में हर छठी मौत कैंसर के कारण होती है। मेडिकल क्षेत्र में आधुनिकता और तकनीक विकास के चलते कैंसर अब लाइलाज बीमारी तो नहीं रही है, पर अब भी आम लोगों के लिए

इसका इलाज काफी कठिन बना हुआ है। कैंसर के बढ़ते खतरे को लेकर लोगों को जागरूक और शिक्षित करने के उद्देश्य से दुनियाभर में हर साल आज के दिन यानी 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। कैंसर कई प्रकार के हो सकते हैं, सभी उम्र के व्यक्तियों में इसका जोखिम देखा जा रहा है। लक्षणों की समय पर पहचान और इलाज प्राप्त करके कैंसर से मृत्यु के जोखिमों को कम करने में मदद मिल सकती है।

जानिए वर्ल्ड कैंसर डे मनाने का कारण

विश्व कैंसर दिवस हर साल 4 फरवरी को मनाया जाता है। इसके पीछे का उद्देश्य, लोगों में इस जानलेवा बीमारी के बारे में जागरुकता फैलाना है। इस दिन कैंसर के बारे में जानकारी, इसके लक्षणों की पहचान कर, जल्द से जल्द इसका इलाज करवाना और इससे बचाव के तरीकों के बारे में लोगों को जानकारी देने की कोशिश की जाती है। अगर इस बीमारी से जुड़ी सभी जरूरी बातों के बारे में लोगों को पता होंगी, इसकी रोक–थाम करने में काफी मदद मिल सकती है।

विश्व कैंसर दिवस 2025 की थीम

विश्व कैंसर दिवस 2025 की थीम, ष्यूनाइटेड बाय यूनिकष् 2025 से 2027 तक तीन साल के अभियान की शुरुआत का प्रतीक है। यह पहल कैंसर की देखभाल के लिए लोगों पर केंद्रित दृष्टिकोण पर केंद्रित है, जिसमें प्रत्येक रोगी की यात्रा की व्यक्तिगतता पर जोर दिया जाता है। व्यक्तिगत कहानियों पर प्रकाश डालकर, इसका उद्देश्य कैंसर की देखभाल में सहानुभूति, समझ और समावेशिता को बढ़ावा देना है।

जानिए वर्ल्ड कैंसर डे का इतिहास

इसका इतिहास अधिक पुराना नहीं है। सबसे पहले 1999 में वर्ल्ड सम्मिट एगेन्स्ट कैंसर, पेरिस में इस दिन को मनाने का प्रस्ताव दिया गया था। इसके बाद साल 2000 में 4 फरवरी को पहली बार वर्ल्ड कैंसर डे मनाया गया था। इस दिन को मनाने के पीछे का उद्देश्य कैंसर के खिलाफ, दुनिया के सभी देशों का साथ मिलकर युद्ध करें और इस जानलेवा बीमारी को खत्म करने में अपना पूरा संयोग दें। इस बीमारी से जुड़े शोध और देखभाल को बढ़ावा देना, इस दिन को मनाने का मुख्य लक्ष्य है।

वेस्ट बैंक में इस्राइली सेना की चौकी पर हमला, छह सैनिक घायल, हमलावर ढेर

तेल अवीव, एजेंसी। वेस्ट बैंक में मंगलवार को इस्राइली कब्जे वाले इलाके में एक चेकपोस्ट पर हमला हुआ।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।